RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 242 , गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

56 करोड़ के कॉरपोरेट खाते पर साइबर गिरोह की नजर, मोतिहारी में 9 गिरफ्तार... 03

कार से 59 चोरी के मोबाइल बरामद,पांच गिरफ्तार... 04

हंसल मेहता की सीरीज से धमाकेदार वापसी करेंगी विपाशा... 07

पंचम दिन

मां स्कंदमाता

मां स्कंदमाता भगवान कार्तिकेय की माता हैं। वे अपने पुत्र को गोद में धारण करती हैं और कमल पर विराजमान रहती हैं। उनकी पूजा मातृत्व, प्रेम, करुणा और वात्सल्य का संदेश देती है। भक्त संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और जीवन में शांति के लिए उनकी आराधना करते हैं।

पीएम मोदी से आज मिलेगा एशियाड का भारतीय दल

● प्रधानमंत्री खिलाड़ियों,उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से करेंगे बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में संपन्न हुए आइची-नागोया एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में शाम करीब 4.30 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सभा को संबोधित भी करेंगे।

भारत ने 85 पदकों के साथ हासिल किया चौथा स्थान- आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारत ने कुल 85 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक अपने नाम किए। भारत लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में शीर्ष पांच देशों में शामिल रहा। हालांकि, इस बार भारतीय दल का प्रदर्शन पदकों की संख्या के लिहाज से पिछले संस्करण से पीछे रहा। वर्ष 2023 में चीन के हांगझोऊ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे।

● **501 खिलाड़ियों के दल ने लिया था हिस्सा-** भारत ने इन खेलों के लिए कुल 501 खिलाड़ियों का दल भेजा था। इनमें से 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने पहुंचे थे। प्रधानमंत्री के साथ होने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय दल के खिलाड़ी, उनके प्रशिक्षक और सहयोगी स्टाफ शामिल होंगे। इसके अलावा भारतीय ओलंपिक संघ के पदाधिकारी, राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधि और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। इस मुलाकात के दौरान पीएम चर्चा करेंगे।

100 साल के होने पर वकील पीबी मेनन को मिला तोहफा

● हाईकोर्ट ने बनाया 'सीनियर एडवोकेट',पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने अनुभवी वकील 100 साल के पी बालासुब्रमण्यन मेनन को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिया है। मेनन के नाम एक प्रैक्टिसिंग वकील के तौर पर सबसे लंबे करियर का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। उन्हें यह सम्मान उनके 10 अक्टूबर को 100वें जन्मदिन से ठीक एक दिन बाद मिला है। हाईकोर्ट ने सोमवार यानी 11 अक्टूबर को पीबी मेनन को 12 अक्टूबर से सीनियर एडवोकेट के तौर पर नियुक्त किया। 2023 में, 97 साल की उम्र में मेनन ने सबसे लंबे समय तक वकालत करने वाले वकील के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी जगह बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके 100वें बर्थडे पर बधाई संदेश भेजा है।

संक्षिप्त समाचार

दुनिया भर में मिल रही भारतीय संस्कृति को पहचान:मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान मिल रही है। भारत का संगीत, नृत्य, सिनेमा और खानपान दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह बात 'बृहत्तर भारत दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक संबंध' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भेजे गए अपने लिखित संदेश में कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार केवल ऐतिहासिक स्मारकों को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की प्राचीन पांडुलिपियों को भी सहेजने के प्रयास कर रही है। इसके लिए ज्ञान भारतम पहल के तहत काम किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों से जुड़ी विरासत को संरक्षित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि दूसरे देशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों को नई गति मिली है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नई विज्ञान भवन में आयोजित किया जा रहा है।

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दीवाली बोनस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दिवाली का तोहफा बताया। वैष्णव ने बताया,आज कैबिनेट ने तीन बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए। पहला फैसला लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी देना था। यह बोनस दिन-रात अथक परिश्रम करने वाले मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा है। जब हम अपने परिवारों के साथ त्योहार मना रहे होते हैं, तब ये कर्मचारी चौबीसों घंटे खेतों में, रेलवे ट्रैक पर, इंजनों के अंदर और कार्यशालाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए काम करते रहते हैं।

हाईजैक का अलर्ट, अटक गई सांसें...

भारत में इजरायल फ्लाइट जैसा खौफ,जयपुर में इमर्जेंसी लैंडिंग

फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग ने सुरक्षा एजेंसियों के उड़ा दिए होश

जयपुर (एजेंसी)। फ्लाईदुबई के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर हुए जानलेवा हमले और हाईजैक की खौफनाक कोशिश की यादें अभी धुंधली भी नहीं पड़ी थीं कि बुधवार सुबह जयपुर में एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग ने सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ा दिए। जर्मनी (फ्रैंकफर्ट) से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया।

जांच में नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु- जयपुर एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सघन जांच की। सभी यात्रियों की तलाशी ली गई। साथ ही क्रू मेंबर की भी तलाशी ली गई। विमान के अंदर और लगेज की भी जांच की गई।

इमरजेंसी अलर्ट बटन के बाद मची हलचल

हुआ यूं कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-2030 में अनहोनी की सूचना मिली थी। विमान के पायलट की ओर से इमरजेंसी अलर्ट बटन कोड 7500 दबाने पर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई। यह बटन आपातकाल में ही दबाया जाता है। इससे पता चलता है कि विमान में या तो बम है या हाईजैक कर लिया गया है। आपात अलर्ट मैसेज के बाद दिल्ली से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हुई और विमान की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

पंजाब सरकार ने आरोपी के घर पर चलवाया बुलडोजर

मानसा (एजेंसी)। पंजाब के मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। आरोपी अश्विनी कुमार की गिरफ्तारी के बाद भी इलाके में आक्रोश बना हुआ है। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने आरोपी की मेडिकल शॉप में तोड़फोड़ करने के बाद आग लगा दी। वहीं, प्रशासन ने आरोपी के घर पर कथित अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की।

घटनाक्रम के बीच इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी की खबर के बाद स्थानीय लोगों और विभिन्न सिख संगठनों में नाराजगी देखने को मिली। बुधवार सुबह मेडिकल शॉप के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। प्रदर्शन के दौरान दुकान को नुकसान पहुंचाया गया और बाद में उसमें आग लगा दी गई। हालात बिगड़ने की आशंका के बीच पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई- प्रशासन ने आरोपी अश्विनी कुमार के घर और दुकान में अवैध बताए जा रहे निर्माण को हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा रहे। मानसा के एसएसपी वैभव चौधरी ने बताया कि पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर मौजूद है।

पति को मारकर नीले-ड्रम में भरने वाली मुस्कान को फांसी

● प्रेमी साहिल को भी सजा-ए-मौत, मेरठ कोर्ट का बड़ा फैसला

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड यानी नीला ड्रम केस में अदालत ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत का फैसला सुनते ही मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला भावुक हो गए। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में बुधवार को सजा पर सुनवाई की। वहीं मुस्कान ने कहा कि उसकी दो बेटियां है उनका ख्याल रखा जाए। हालांकि लंच से पहले भी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए दोनों दोषियों से अदालत ने पूछा कि क्या वे सजा सुनाए जाने से पहले कुछ कहना चाहते हैं। दोनों ने जवाब दिया कि उन्हें कुछ

नहीं कहना है। लंच के बाद दोनों को दोबारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इसके बाद अदालत ने सजा सुनाई। जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, फैसला सुनते समय मुस्कान ने हाथ जोड़ रखे थे और बाद में रोने लगी। साहिल शुक्ला की आंखें भी नम हो गईं। इस मामले में अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता और क्रूरता का हवाला देते हुए दोनों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। दूसरी ओर, बचाव पक्ष ने मुस्कान की दो बेटियों के भविष्य और परवरिश का हवाला देकर अदालत से नरमी बरतने की अपील की थी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई पेशी अदालत ने पूछा- कुछ कहना है

सजा पर फैसला सुनाए जाने से पहले मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला जज के सामने अलग-अलग पेश किया गया। अदालत ने दोनों से उनकी बात रखने का अवसर दिया। दोनों ने कहा कि उन्हें कुछ नहीं कहना है। सीनियर जेल सुपरिटेंडेंट वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, अदालत ने दोनों से विभिन्न मुद्दों पर सवाल किए। इनमें फॉरेंसिक रिपोर्ट से जुड़े पहलू भी शामिल थे। उन्होंने सवालों का विस्तृत ब्योरा साझा नहीं किया, लेकिन बताया कि दोनों ने अदालत के सामने अपना पक्ष रखा।

तिहाड़ के बैरक-4 में आशुतोष रांका और 2 में सौरव दास

● अजिंक्य शिंदे बॉन्ड पर रिहा, सीजेपी प्रोटेस्ट में जारी है संग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही, अजिंक्य शिंदे को निजी बॉन्ड पर रिहा किया गया है। बताया जा रहा है कि तिहाड़ जेल के बैरक नंबर में आशुतोष रांका को रखा गया है जबकि सौरव दास को बैरक नंबर दो की जेल में रखा गया है।

दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सौरभ और आशुतोष को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीजेपी के कानूनी मामलों के प्रमुख रत्ना सिंह ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि सौरव और आशुतोष को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए राहुल गांधी,पुलिस पर लगाए आरोप

छात्रा बोली-प्राइवेट पार्ट पर मारा,युवक ने कहा-गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई का सामना करने वाले नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं की पिटाई का आरोप लगाते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी और शाह भारत की आवाज के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी एनएसयूआई के कुछ कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के साथ मीडिया के सामने आए। इन सभी को दिल्ली में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पीटे जाने का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा, जैसा कि मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, अपने चारों ओर देखिए। यह भारत है।

वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और सबूत हमें भेजें: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मेरी सलाह है, इस आवाज के खिलाफ खड़े ना हों। कोई भी इस आवाज के खिलाफ नहीं टिक सकता। मैंने सभी छात्रों से कहा है कि वे वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और वह सबूत हमें भेजें। जब यह पूरा मामला खत्म हो जाएगा, तो हम उन सभी सबूतों का इस्तेमाल करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों को सजा मिलनी चाहिए, उन्हें सजा मिले- चाहे वह पीएम नरेंद्र मोदी हों, ज्ञानेश कुमार हों, अमित शाह हों या फिर वे कॉन्स्टेबल ही क्यों न हो जो हमारे बच्चों पर हाथ उठा रहा है। राहुल गांधी ने इस दौरान केरल की निवासी छात्रा आथिरा का उल्लेख किया।

किसानों को दीवाली पर 5000 रुपए देगी फड़नवीस सरकार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र 305 तालुकाओं में सूखा घोषित किया गया है। इससे पहले 265 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया गया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बुधवार को घोषणा की राज्य सरकार ने किसानों को दीवाली पर

5000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। यह राशि त्योहार से पहले किसानों के बैंक खातों में जमा कराई जाएगी। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए फड़नवीस ने कहा कि सूखे के कारण फसल का नुकसान झेल रहे और आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने यह फैसला लिया है।

● **दीवाली की जरूरतों के लिए 5000 रुपए-** मुख्यमंत्री ने कहा, इस दीवाली किसानों के लिए मुश्किल होने वाली है। उनके लिए त्योहार के दौरान खर्च संभालना कठिन होगा। इस स्थिति को देखते हुए हमने चर्चा की और आने वाले दिनों में किसानों को सहायता देने का फैसला किया। हमने दीवाली बोनस के तौर पर किसानों को 5000 रुपये देने का निर्णय लिया है। यह राशि दीवाली से पहले उनके खातों में पहुंच जानी चाहिए। कर्जमाफी की राशि भी उनके खातों में जमा कराई जा रही है।

देश में थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा

● खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर,फुटकर महंगाई में भी तेजी, ईंधन और बिजली भी महंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39 फीसदी पहुंच गई है। सरकार ने आज, 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92 फीसदी थी।

थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54 पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82 फीसदी थी। थोक महंगाई दर 11.39 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह

आज लगभग 111.39 का है। ये आंकड़े नए बेस ईयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को जीडीपी का नया बेस ईयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है। सितंबर महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39 फीसदी पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 9.92 फीसदी दर्ज की गई थी।

● **खाने-पीने की चीजों में तेजी,ईंधन व बिजली क्षेत्र में उछाल-** खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 के आंकड़े से उछलकर सितंबर में 8.66 फीसदी दर्ज हुई। फ्यूल और पावर सेक्टर में महंगाई दर अगस्त के 22.93 से तेजी से बढ़कर 25.85 फीसदी पर पहुंच गई। प्राइमरी आर्टिकल्स (कच्चा सामान) की महंगाई दर अगस्त के 7.76 से बढ़कर सितंबर में 8.67 फीसदी हो गई। मैन्युफैक्चर्ड प्रॉडक्ट्स की महंगाई दर अगस्त के 8.37 से बढ़कर 9.76 फीसदी हो गई। पेट्रोल-डीजल, खाने-पीने की वस्तुएं, क्रूड ऑयल, गैस, कोयला और टेक्सटाइल में सबसे ज्यादा तेजी रही। जब भी सरकार महंगाई नापती है, तो वह किसी एक पुराने साल को 'पैमाना' मान लेती है, ताकि उससे तुलना करके पता चल सके कि आज चीजें कितनी महंगी हुई हैं। सरकार ने 2022-23 को नया पैमाना यानी बेस ईयर बनाया है। इसका मतलब है कि आज के सामानों की कीमतों की तुलना 2022-23 के दामों से की जा रही है।

बिहार में मौत का ऐसा मंजर कि रो पड़ीं डीएम

● एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे से पांच

वैशाली (एजेंसी)। वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में मंगलवार रात हुए नाव हादसे ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव-गांव में मातम पसरा है। भोज खाने के लिए निकले 13 मासूमों की डूबने से मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक ही गांव से एक साथ कई बच्चों की अर्थियां उठीं। हर तरफ चीख-पुकार मची है और गांव के घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं। वहीं, अस्पताल में मृतक बच्चों के परिजनों का दर्द देखकर जिलाधिकारी वर्षा सिंह भी खुद को संभाल नहीं पाईं। वह परिजनों के गले लगकर रोने लगीं। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसने कई परिवारों को उजाड़ दिया। जानकारी के अनुसार, एक ही घर से सात मासूम बच्चों के शव उठे, जबकि दूसरे घर से पांच बच्चियों की मौत हो गई। तीसरे घर के एक बच्चे की भी जान चली गई।

संक्षिप्त समाचार

इंडियन आइडल की रितिका राज करेंगी परफॉर्म, 15 अक्टूबर को डांडिया नाइट, शहरवासियों के लिए एंट्री फ्री

हाजीपुर। हाजीपुर में 15 अक्टूबर को डांडिया नाइट का कार्यक्रम होगा। इसका आयोजन वैशाली क्लब सूरज देव मेमोरियल स्कूल में कर रहा है। क्लब ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसकी जानकारी दी। क्लब के अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि कार्यक्रम शाम 5:30 बजे से शुरू होगा। इसमें इंडियन आइडल की कलाकार रितिका राज अपनी प्रस्तुति देंगी। शहर के लोगों के लिए एंट्री बिल्कुल फ्री रखी गई है। क्लब के सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि वैशाली क्लब का मकसद कला और संस्कृति को बढ़ावा देना है। इसी उद्देश्य से यह डांडिया नाइट हो रही है। उन्होंने सभी से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. रवि प्रकाश, डॉ. प्रभात कुमार, डॉ. शशि कुमार, डॉ. कांति कुमार, मनोज वर्मा और अविनाश कुमार सिंह भी मौजूद थे। उन्होंने क्लब के उद्देश्यों के बारे में बताया।

आईपीएस भानू प्रताप की पत्नी डीजीपी से मिलीं, कहा- मुझे मेंटेनेंस नहीं, अपना पति और बच्ची चाहिए

पटना। 'मुझे मेंटेनेंस नहीं, अपना पति और बच्ची चाहिए। मैं अपना परिवार बचाना चाहती हूं। आखिर एक मां को अपनी ही बच्ची से बात करने के लिए कस्टडी की जरूरत क्यों पड़नी चाहिए?' ये सवाल भानु प्रताप की पत्नी पूजा ने पुलिस मुख्यालय में डीजीपी से मुलाकात के बाद उठाए। पति से तलाक नहीं चाहने और अपनी बच्ची को खुद से दूर किए जाने का दर्द बयां करते हुए पूजा ने आरोप लगाया कि पिछले डेढ़ महीने से उनकी बच्ची से बात तक नहीं कराई गई है। उनका कहना है कि वह अपने पति के सुख-दुख में साथ रही हैं, ऐसे में आज उन्हें छोड़कर नई जिंदगी शुरू करने की सलाह क्यों दी जा रही है? पूजा अपनी मांग लेकर डीजीपी से मिलने पहुंची थीं। मुलाकात नहीं होने पर वह पुलिस मुख्यालय में धरने पर बैठ गईं। काफी अनुरोध के बाद डीजीपी से उनकी मुलाकात हुई। पूजा का आरोप है कि भानु प्रताप ने तलाक की अर्जी दाखिल की है। सितंबर से आर्थिक मदद भी बंद कर दी गई है और अब उन्हें अपनी बच्ची से मिलने के लिए कस्टडी लेने की बात कही जा रही है। पूजा का कहना है कि वह आगे कानूनी लड़ाई लड़ेंगी, लेकिन उनकी मांग नहीं बदलेगी। उन्हें अपना पति, अपनी बच्ची और अपना परिवार वापस चाहिए।

पटना से अपहृत शख्स भागलपुर से बरामद, सात गिरफ्तार, मौर्या लोक से लेन-देन में हुई किडनैपिंग

पटना। पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित मौर्या लोक से लेन-देन के विवाद में कौशलेन्द्र नाम के एक व्यक्ति का अपहरण कर लिया गया। वह भूपतिनगर का रहने वाला है। पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद तकनीकी जानकारी के आधार पर पटना पुलिस की विशेष टीम ने उसे भागलपुर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के आसपास से बरामद कर लिया। मामले में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। अपहृत शख्स और किडनैपर्स दो को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, कौशलेन्द्र की पत्नी ने दो दिन पहले कोतवाली थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने कार्रवाई की। इस अभियान में पटना पुलिस की एसआईयू (SIU) और डीआईयू (DIU) की टीमें शामिल थीं। पुलिस की शुरुआती जांच में मामला जमीन और प्रॉपर्टी के लेन-देन से जुड़ा सामने आया है। कौशलेन्द्र का कहना है कि विवाद करीब पौने दो करोड़ रुपये का है। वहीं, आरोपी पक्ष की ओर से करीब तीन करोड़ रुपये के विवाद की बात कही जा रही है। इस तरह लेन-देन की रकम को लेकर दोनों पक्षों के दावे अलग-अलग हैं। कौशलेन्द्र की बरामदगी के बाद पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कथित अपहरण की साजिश में किसकी क्या भूमिका थी और जमीन के कारोबार से जुड़े विवाद की वास्तविक वजह क्या है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अनंत सिंह फिर नालंदा में कर रहे प्रचार, अनुज सिंह के समर्थन में मांग रहे वोट

पटना। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव को लेकर जदयू में जारी घमासान के बीच मोकामा विधायक अनंत सिंह आज फिर नालंदा पहुंचे। उन्होंने जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी डॉ. अनुज सिंह के समर्थन में जन आशीर्वाद यात्रा निकाला और स्नातक मतदाताओं से उन्हें जिताने की अपील की। रैली के दौरान अनंत सिंह का अलग अंदाज देखने को मिला। वे जीप में काउबॉय हैट पहनकर समर्थकों का अभिवादन स्वीकार करते दिखे। इस दौरान उनके समर्थक, 'देखो-देखो कौन आया, शेर आया-शेर आया', 'छोटे सरकार जिंदाबाद' के नारे लगाते रहे। इससे पहले भी अनंत सिंह पटना से बख्तियारपुर तक रोड शो कर अनुज सिंह के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर चुके हैं। वहीं, जदयू के आधिकारिक प्रत्याशी नीरज कुमार के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार समेत कई बड़े नेता प्रचार करेंगे। इस बीच नीरज कुमार के प्रचार कार्यक्रम की सूची से केंद्रीय मंत्री और मुंगेर सांसद ललन सिंह का नाम गायब होने को लेकर भी चर्चा तेज है। खास बात यह है कि अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच विवाद सुलझाने की जिम्मेदारी भी ललन सिंह को ही दी गई थी। अनंत सिंह की जन आशीर्वाद यात्रा का कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके मुताबिक, यात्रा सुबह 9 बजे पटना स्थित आवास से शुरू होगी। इसके बाद वह नालंदा जिले के अलग-अलग इलाकों में पहुंचेंगे। कार्यक्रम में कई जगहों पर समर्थकों से मुलाकात और जनसंपर्क का समय तय किया गया है। यात्रा के दौरान दोपहर 2 बजे जीतिपुर में भोजन कार्यक्रम रखा गया है। इसके बाद भी अनंत सिंह अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर लोगों से संपर्क करेंगे। शाम 5:45 बजे यात्रा समाप्त कर पटना लौटने का कार्यक्रम है। इस यात्रा के जरिए अनंत सिंह एक बार फिर अनुज सिंह के समर्थन में प्रचार करेंगे। इससे पहले वह फतुहा से बख्तियारपुर तक रोड शो कर चुके हैं। रोड शो महारानी चौक से शुरू हुआ था और चौराहा होते हुए दरियापुर की ओर बढ़ा था। इसका समापन बख्तियारपुर में हुआ था। रास्ते में कई जगहों पर समर्थकों ने उनका स्वागत किया था। उस दौरान अनंत सिंह ने कहा था, 'आप लोग जब भी बुलाएंगे, हम हमेशा हाजिर रहेंगे।' उन्होंने नवादा तक रोड शो करने की बात भी कही थी।

पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ 2 पिस्टल और 3 कारतूस बरामद

एजेंसी, पटना

पटना में हथियार बरामदगी के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। फतुहा थाना क्षेत्र के नियाजीपुर गांव के पास हुई इस कार्रवाई में आलमगंज निवासी शुभम कुमार (25) गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, हथियार बरामद करने पहुंची STF और पुलिस की संयुक्त टीम पर शुभम ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। घायल शुभम को इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है।

पटना कॉलेज में छापेमारी, पांच आरोपी गिरफ्तार: ग्रामीण एसपी कोमल मीणा ने बताया, STF से सूचना मिली थी कि कदमकुआं थाना क्षेत्र स्थित पटना कॉलेज परिसर में कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसके बाद कदमकुआं थानाध्यक्ष की टीम ने परिसर में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद पांच लोगों में से दो आरोपी अंशु और कृष को खदेड़कर पकड़ा गया। अंशु के पास से एक देसी कट्टा और दो कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ और आरोपियों के बयान के आधार पर पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों शुभम, आलोक और बंटी को भी गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी के मुताबिक, शुभम कुमार के खिलाफ पहले से 10 से 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है।

हथियार बरामद करने पहुंची टीम पर फायरिंग: पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान शुभम ने एक अन्य देसी कट्टा और कारतूस फतुहा के नियाजीपुर गांव के पास होने की जानकारी दी। इसके बाद कदमकुआं थाना, फतुहा थाना और STF की संयुक्त टीम हथियार बरामद करने के लिए वहां पहुंची। पुलिस का आरोप है कि बरामदगी की कार्रवाई के दौरान शुभम ने अचानक STF की टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें शुभम के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और इलाज के लिए PMCH पहुंचाया। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

कुख्यात अपराधी के दाहिने पैर में लगी गोली

दो देसी कट्टा, तीन कारतूस और पांच मोबाइल बरामद: पुलिस के मुताबिक, इस कार्रवाई में कुल दो देसी कट्टा, तीन कारतूस, पांच मोबाइल फोन और एक स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस गिरोह के सदस्यों से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब गिरोह के अन्य आपराधिक मामलों में शामिल होने और बरामद हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। मामले में विस्तृत जानकारी पुलिस की जांच और आधिकारिक बयान के आधार पर सामने आएगी।

पटना में सुनसान मकान से युवक का शव मिला

एजेंसी, पटना

पटना में बुधवार को एक खाली पड़े सरकारी भवन से युवक का शव मिला है। शव राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक द्वादशीय स्तरीय विद्यालय के ठीक सामने हाईकोर्ट की खाली पड़ी सरकारी बिल्डिंग में मिला। युवक जींस और शर्ट पहने हुए था। उसका चेहरा बुरी तरह डैमेज होने की वजह से उसकी पहचान करने में परेशानी हो रही है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। घटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के नंद गांव का है।

घटनास्थल पर मिले नशीले इंजेक्शन और सिरिंज: सचिवालय एसडीपीओ-2 साकेत कुमार ने बताया, युवक के शव की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घटनास्थल के आसपास नशे के इंजेक्शन और सिरिंज मिले हैं। प्रारंभिक तौर पर नशे के सेवन से जुड़ी आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर FSL टीम को जांच के लिए बुलाया है। घटनास्थल को सुरक्षित कर टीम वहां से साक्ष्य एकत्र कर रही है, ताकि घटना की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह: पुलिस के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। शव की स्थिति और घटनास्थल से मिले सामान को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। SDPO साकेत कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मृतक की पहचान करने और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाने में जुटी है।

स्वास्थ्य व्यवस्था को और भी व्यापक एवं सुलभ बनाना सरकार की प्राथमिकता में शामिल: शम्भू नाथ सिन्हा

एजेंसी, पटना

प्रदेश जनता दल यू प्रवक्ता शम्भू नाथ सिन्हा ने कहा है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने बिहार में स्वास्थ व्यवस्था को और भी व्यापक, सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि उनका संकल्प है कि लोगों को हर छोटी बड़ी बीमारियों के लिए राजधानी का चक्कर नहीं लगाना पड़े बल्कि स्थानीय स्तर पर ही उनके चिकित्सा की व्यवस्था हो सके। इसको लेकर उन्होंने जिला अस्पतालों से मरीजों को अनावश्यक रेफर करने की व्यवस्था पर रोक लगाने का काम किया, जिसका परिणाम है कि अब जिला अस्पतालों में मरीजों की तादाद बढ़ी और वहां ऑपरेशन की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पतालों को चरणबद्ध तरीके से सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से लैस करने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कोशिश किए जा रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों के लंबित ऑपरेशनों को आईजीआईएमएस, एम्स और मेदांता जैसे उच्चस्तरीय संस्थानों में कराने की भी व्यवस्था की जा रही है।

प्रवक्ता शम्भू नाथ सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की पहल पर कमांड एवं कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है, जिससे मरीजों एवं अस्पतालों की रियल टाइम स्थिति का पता लगाने में बेहद आसानी हुई है। अस्पतालों में गरीब मरीजों के लिए मुफ्त दवाईयों का इंतजाम किया जा रहा है। निशांत कुमार ने मरीजों को अस्पतालों में कुल 504 तरह की मुफ्त दवाईयां उपलब्ध कराने का संकल्प जाहिर किया है।

नाव दुर्घटना पीड़ितों को 10-10 लाख मुआवजा मिले, नावों की सुरक्षा और बांध-पुल निर्माण की हो उच्चस्तरीय जांच: पप्पू यादव

एजेंसी, पटना

पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बुधवार को पटना में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) से मुलाकात कर उन्हें विभिन्न जनसमस्याओं से जुड़ा ज्ञापन सौंपा। उन्होंने राघोपुर में बाढ़ और नाव दुर्घटनाओं में हुई मौतों पर चिंता जताते हुए प्रत्येक मृतक के परिवार को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। इसके साथ ही नावों की सुरक्षा, बांध और पुल निर्माण में कथित अनियमितताओं की जांच, युवाओं की नियुक्ति, शिक्षा व्यवस्था, स्थानीय निवास नीति और महिला सुरक्षा सहित कई मुद्दों पर कार्रवाई का आग्रह किया।

मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि भागलपुर में नाव दुर्घटना के अलावा छपरा के मकेर, परसा, अमनौर और पानापुर जैसे इलाकों में बाढ़ से बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने की खबरें सामने आई हैं।

उन्होंने छपरा में करीब 40 से 50 और बेतिया में करीब 18 लोगों की मौत की जानकारी का उल्लेख किया। उनके अनुसार, कई लोगों की मौत नाव पलटने, डूबने और सांप काटने से हुई है, लेकिन पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने हाल में नाव दुर्घटना में 14 बच्चों की मौत को बेहद दुखद बताते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। सांसद ने कहा कि नावों में लाइफ जैकेट और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए। रात में असुरक्षित तरीके से नावों का परिचालन नहीं होना चाहिए। उन्होंने दीपावली और छठ तक जल परिवहन की व्यवस्था बनाए रखने, कम से कम 40 स्टीमर चलाने तथा भागलपुर के विक्रमशिला गंगा तटवर्ती क्षेत्र में बड़ी यात्री नावों और ट्रैक्टरों की व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने गंडक नदी के तटबंधों के टूटने और बाढ़ नियंत्रण कार्यों में कथित लापरवाही की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। बूढ़ी गंडक में पानी बढ़ने और नारायणी नदी से मुजफ्फरपुर तथा आसपास के इलाकों में संभावित नुकसान को लेकर भी चिंता जताई। पप्पू यादव ने कहा कि बांध टूटने के मामलों में केवल इंजीनियरों को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कार्यपालक अभियंता, अधीक्षण अभियंता और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। टूटे पुलों में इस्तेमाल सरिया की गुणवत्ता, मेसर्स श्याम स्टील की सरिया और निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों के पालन की जांच कराने की भी मांग की। उन्होंने सरकारी निर्माण परियोजनाओं में इस्तेमाल टीएमटी सरिया, विभागों की अनुमोदित मेक सूची और बिलो रेट पर आवंटित निविदाओं की भी जांच कराने को कहा।

शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर सांसद ने बिहार के नवसृजित 211 डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की कमी दूर करने और दर्शनशास्त्र विभाग की स्थापना की मांग की। उन्होंने बेल्ट्रॉन डाटा एंट्री ऑपरेटर नियुक्ति अधिसूचना संख्या 678/2024 के तहत शेष 4808 योग्य अभ्यर्थियों की प्रतीक्षा सूची जारी करने के लिए 20 अगस्त 2026 को भेजे गए पत्र पर अनुस्मारक दिया। उन्होंने 1,731 पूर्व संचालित कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) केंद्रों को फिर से शुरू करने और 'केवाईपी डिजिटल मित्र' योजना के वर्तमान प्रारूप पर पुनर्विचार करने की मांग भी उठाई। पप्पू यादव ने टीआरई-3 की लंबित नियुक्तियों और अनुपूरक परिणाम, टीआरई-4 की अधिसूचना में देरी, 70वीं बीपीएससी परीक्षा की कथित अनियमितताओं और गर्दनीबाग छात्र सत्याग्रह के दौरान पुलिस कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं को रोजगार के उचित अवसर मिलें और निर्माण, शिक्षा, सुरक्षा तथा जनकल्याण से जुड़े मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पीएमसीएच में ट्रॉली कर्मियों की हड़ताल, 4 घंटे सेवा प्रभावित, चार महीने से वेतन नहीं मिलने पर भड़के

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में बुधवार को ट्रॉली कर्मियों ने काम ठप कर दिया। करीब 100 से 150 आउटसोर्सिंग कर्मियों ने चार महीने से वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए कार्य बहिष्कार किया। इससे मरीजों को वार्ड में शिफ्ट करने और जांच के लिए ले जाने में भारी परेशानी हुई।

धरने पर बैठे कर्मी, ISI एजेंसी के खिलाफ की नारेबाजी: कर्मी अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए और ISI एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी की। उनके अचानक काम बंद करने से गंभीर मरीजों की भर्ती और इलाज से जुड़ी सेवाएं भी प्रभावित हुईं। मरीजों और उनके परिजनों को ट्रॉली कर्मियों की कमी के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

8 हजार रुपए मासिक वेतन, चार महीने से नहीं मिला: ट्रॉली कर्मियों का कहना है कि एजेंसी उन्हें करीब 8 हजार रुपए मासिक वेतन देती है, जो पिछले चार महीने से बकाया है। वेतन नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल अधीक्षक के आश्वासन के बाद कर्मी 4 घंटे बाद काम पर लौट आए।

2023 में भी किया था प्रदर्शन: आउटसोर्सिंग कर्मी मोहित कुमार ने बताया कि वेतन भुगतान की मांग को लेकर पहले भी प्रदर्शन किया जा चुका है। अगस्त 2023 में भी कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई थी। इसके बावजूद भुगतान की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। मोहित कुमार के मुताबिक, एजेंसी की ओर से समय पर वेतन नहीं दिए जाने से कर्मचारियों को लगातार आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मियों ने बकाया वेतन का भुगतान करने और समय पर पगार देने की मांग की है।

आश्वासन पर काम लौटे कर्मियों की चेतावनी: मामले में PMCH के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने कहा कि संबंधित कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी को बुलाया गया है। कंपनी की ओर से बुधवार शाम तक बकाया वेतन का भुगतान करने का आश्वासन दिया गया है। हालांकि, इस आश्वासन के बाद सभी कर्मी काम पर लौट आए हैं, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर बकाए वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो कल सुबह फिर से कार्य बहिष्कार कर काम ठप कर देंगे।

राघोपुर दियारा नाव हादसा : केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने पीड़ित परिवारों से मिलकर जताई संवेदना

एजेंसी, पटना

राघोपुर दियारा में हुए नाव हादसे में मासूम बच्चों समेत 13 लोगों की मौत पर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। नित्यानंद राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूरी संवेदना पीड़ित परिवारों के साथ है। केंद्र और राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों की हरसंभव मदद के लिए तत्पर हैं।

हादसे में 13 मृतकों और सात घायलों के लिए घोषित मुआवजे का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये और घायल को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को चार लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

हादसे के बाद नावों की सुरक्षा को लेकर भी नित्यानंद राय ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने वैशाली के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि टूटी, खराब या क्षतिग्रस्त नावों की मरम्मत सुनिश्चित करने के बाद ही उनका नदी में परिचालन कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नावों के संचालन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शारदीय नवरात्र का चौथा दिन मां कूष्माण्डा की हो रही पूजा

एजेंसी, पटना

आश्विन शुक्ल चतुर्थी में आज बुधवार को अनुराधा नक्षत्र और आयुष्मान योग के साथ सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग व रवियोग में कुष्मांडा माता की पूजा होगी। ज्योतिषाचार्य राकेश झा ने बताया कि माता मंद व हल्की मुस्कान द्वारा ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कूष्माण्डा पड़ा। देवी मां की उपासना श्रद्धालु को स्वाभाविक रूप से भवसागर से पार उतारने के लिए सुगम और श्रेयस्कर मार्ग है।

माता कूष्माण्डा की उपासना मनुष्य को आधि-व्याधियों से विमुक्त करके उसे सुख, समृद्धि और उन्नति की ओर ले जाती है। इसीलिए अपनी लौकिक, परलौकिक उन्नति चाहने वाले उपासक को कूष्माण्डा देवी की उपासना करनी चाहिए।

मार्कण्डेय पुराण के अनुसार जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब माता कूष्माण्डा ने अपने ईषत हास्य से ब्रह्मांड की रचना की थी। इसी लिए इन्हें सृष्टि की आदिस्वरूपा कहा जाता है। इस देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए अष्टभुजा कहलाईं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों एवं निधियों को देने वाली जप माला है। इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृति में कुम्हड़े को कुष्मांड कहते हैं, इसलिए इस देवी को कुष्मांडा कहा जाता है।

दुर्गा पूजा में पटना की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, कई इलाकों में आवाजाही बंद

एजेंसी, पटना

पटना में दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और जाम से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कई इलाकों में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। डाकबंगला चौराहा, नाला रोड, दिनकर गोलंबर और मछुआ टोली समेत प्रमुख मार्गों पर विशेष प्रतिबंध लगाए गए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित ट्रैफिक व्यवस्था का पालन करें और जाम से बचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें।

डाकबंगला जाने वाले वाहनों के लिए बदला रास्ता: पुलिस अधिकारी अनिल कुमार के अनुसार, वोल्टास की ओर से आने वाले वाहनों को सीधे डाकबंगला चौराहा और कोतवाली की तरफ जाने की अनुमति नहीं होगी। इन वाहनों को म्यूजियम वाले रास्ते से निकाला जाएगा। वहीं, स्टेशन, भट्टाचार्य और गांधी मैदान की ओर से डाकबंगला जाने वाले वाहनों पर भी रोक रहेगी।

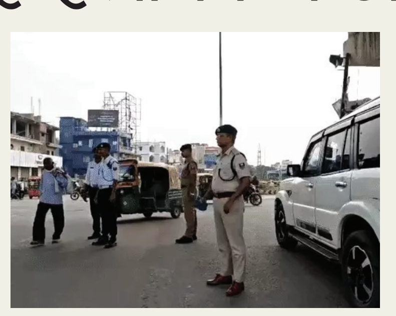

नाला रोड और मछुआ टोली में व्यावसायिक वाहनों की नो-एंट्री: नाला रोड और मछुआ टोली इलाके में सभी प्रकार के व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। दिनकर गोलंबर से उत्तर दिशा की ओर भी वाहनों की आवाजाही नहीं हो सकेगी। सहदेव महतो हॉस्टल और उससे जुड़ी गली की ओर जाने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना होगा।

शाम 4 बजे के बाद कई इलाकों में प्रतिबंध: खजपुरा, डुमरांव चौकी और जगदेव पथ इलाके में शाम 4 बजे के बाद वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। पुलिस के मुताबिक, भीड़ की स्थिति को देखते हुए प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

डाकबंगला से नाला रोड तक भारी वाहन बैन

25 क्यूआरटी टीमें संभालेंगी ट्रैफिक: यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए फिलहाल 25 क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) तैनात की गई हैं। जरूरत पड़ने पर टीमों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा संवेदनशील इलाकों में डॉल्फिन मोबाइल और ओपी प्रभारियों को भी तैनात किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि पूजा पंडालों की ओर निकलने से पहले रास्तों की जानकारी ले लें, यातायात नियमों का पालन करें और प्रतिबंधित मार्गों पर जाने से बचें, ताकि भीड़ और जाम की स्थिति से निपटा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

कायाकल्प से निखरेंगी स्वास्थ्य संस्थान की सूरत, मरीजों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

बीएनएम @ मोतिहारी। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में जिले में कायाकल्प अभियान को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों के समन्वय से जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, सुदृढ़ीकरण, मरम्मत एवं रंग-रोगन का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के स्वास्थ्य संस्थानों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित, आकर्षक और सुविधायुक्त बनाना है, ताकि मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ-साथ परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। कायाकल्प अभियान के तहत किए जा रहे इन प्रयासों से स्वास्थ्य संस्थानों की तस्वीर बदलने के साथ ही मरीजों और उनके परिजनों को भी अधिक सुविधाजनक एवं सकारात्मक वातावरण मिलेगा। बेहतर आधारभूत संरचना और स्वच्छ परिसर से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी। कायाकल्प अभियान जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से स्वच्छता, बेहतर बुनियादी सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देकर आम लोगों को अधिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

एमजीसीयू में स्वच्छता ही सेवा–2026 अभियान संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को 'स्वच्छता ही सेवा–2026' अभियान का समापन समारोह बुद्ध परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित करते हुए परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने में उनके योगदान की सराहना की। कुलपति ने विद्यार्थियों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के प्रति जागरूक और जिम्मेदार रहने की अपील की। अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. प्रसून दत्ता सिंह ने स्वच्छताकर्मियों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताते हुए अभियान के तहत आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी। बुद्ध परिसर के निदेशक प्रो. रंजीत कुमार चौधरी ने विद्यार्थियों से स्वच्छता की आदत विकसित करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह ने एक माह तक चले अभियान का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में स्वच्छता एवं जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनएसएस स्वयंसेवक पूर्वी चंपारण जिले को एकल-उपयोग प्लास्टिक से मुक्त बनाने की दिशा में भी कार्य करेंगे। समारोह का समापन राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चित्रकला से होता है रचनात्मक शक्ति का विकासः अंजनी अशेष

बच्चों ने बनाई मां दुर्गा की मनमोहक तस्वीर

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर से सटे अरेराज रोड, लक्ष्मीपुर स्थित जेनिथ इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को नवरात्रि के मौके पर छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के लिए सीनियर और जूनियर दो ग्रुप बनाए गए थे। सीनियर ग्रुप को मां दुर्गा की तस्वीर का थीम दिया गया था, वहीं जूनियर ग्रुप को भारत का मानचित्र बनाकर उसे रंगों से सजाना था। प्रतियोगिता में 85 बच्चों ने हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को प्राचार्य अंजनी अशेष ने पुरस्कृत कर उनकी हौसला अफजाई की। इस अवसर पर श्री अशेष ने कहा कि चित्रकला से बच्चों की रचनात्मक क्षमता का विकास होता है तथा उनके अंदर कल्पनाशीलता बढ़ती है। मौके पर शिक्षक विक्रम कुमार, रोशन त्रिपाठी, नवीन श्रीवास्तव, प्रीति कुमारी, रितिका दुबे, प्रियंका झा, रिंकी कुमारी, प्रतिमा कुमारी, प्रियय कुमारी आदि मौजूद थे।

पुलिस लिखी बोलेरो की टक्कर से बीए का छात्र गंभीर, दाहिना पैर टूटा

बीएनएम @ तुरकौलिया। मोतिहारी-अरेराज मुख्य मार्ग पर बुधवार को तुरकौलिया चौक के समीप पुलिस लिखी बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार बीए का एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में उसका दाहिना पैर टूट गया। घायल छात्र गायघाट मानिकपुर का निवासी है। वह मोतिहारी में बीए की परीक्षा देने जा रहा था। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर जुटे ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए हंगामा किया। जानकारी के अनुसार, बोलेरो मोतिहारी से तुरकौलिया पोस्ट ऑफिस के कर्मियों को लेकर आ रही थी। वाहन में करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी सवार थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार छात्र की बोलेरो से टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने दुर्घटना को लेकर नाराजगी जताई। सूचना मिलने पर पहुंची 112 की पुलिस ने घायल को इलाज के लिए मोतिहारी भेजा, जहां उसका उपचार चल रहा है। वहीं, बोलेरो चालक को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन भी जब्त कर लिया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। चालक को पकड़कर थाने लाया गया है। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलने के बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

56 करोड़ के कॉरपोरेट खाते पर साइबर गिरोह की नजर, मोतिहारी में 9 गिरफ्तार

दुबई में बैठे साइबर अपराधियों से जुड़े नेटवर्क का खुलासा, बैंकिंग ओटीपी हैक कर स्विफ्ट कोड से रकम विदेश भेजने की थी साजिश; 10 मोबाइल, लैपटॉप और दो चारपहिया वाहन बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का खुलासा करते हुए नौ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह की नजर करोड़ों रुपये जमा वाले कॉरपोरेट बैंक खातों पर थी। गिरफ्तार आरोपितों के पास से 10 मोबाइल, एक लैपटॉप और दो चारपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। लैपटॉप से संदिग्ध पोर्टल, बैंक लॉगिन से जुड़ी जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 14 अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोतिहारी साइबर थाना को सूचना मिली थी कि साइबर अपराधियों का एक गिरोह बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर नौ संदिग्धों को हिरासत में लिया। पूछताछ और प्रारंभिक जांच के बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बैंक खातों की गोपनीय जानकारी जुटाकर करते थे सेंधमारी–पुलिस के मुताबिक, गिरोह को कथित तौर पर अज्ञात बैंककर्मियों के माध्यम से कॉरपोरेट बैंक खातों की गोपनीय जानकारी मिलती थी। इसमें खाताधारक का नाम, यूजर आईडी, मोबाइल नंबर और खाते में उपलब्ध राशि का विवरण शामिल था। इसके बाद लिंक के जरिए मोबाइल पर ओटीपी भेजकर संबंधित मोबाइल तक पहुंच हासिल करने और नेट बैंकिंग में लॉगिन करने की प्रक्रिया अपनाई जाती थी। पुलिस का आरोप है कि नेट बैंकिंग में प्रवेश मिलने के बाद स्विफ्ट कोड के माध्यम से रकम दुबई में बैठे साइबर अपराधियों से जुड़े खातों में हस्तांतरित की जाती थी। वहां कुल राशि का 30 प्रतिशत हिस्सा काटने के बाद शेष रकम यूएसडीटी (USDT) क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से विभिन्न खातों में भेजी जाती थी। बाद में यूएसडीटी बेचकर नकद अथवा बैंक खातों में रकम प्राप्त की जाती थी।

56 करोड़ रुपये वाले खाते को निशाना बनाने की थी योजना–जांच में पुलिस को पता चला कि गिरोह के पास कैंप सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते से संबंधित विवरण उपलब्ध था। पुलिस के अनुसार, इस खाते में करीब 56 करोड़ रुपये जमा थे। आरोपित 12 अक्टूबर 2026 की रात खाते में उपलब्ध पूरी राशि अपने खातों में हस्तांतरित करने की योजना बना रहे थे। समय रहते कार्रवाई होने से कथित साजिश का खुलासा हुआ। हालांकि, पुलिस की विज्ञप्ति में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस मामले में वास्तव में किसी राशि का हस्तांतरण हुआ या नहीं। पुलिस का कहना है कि गिरोह मुख्य रूप से ऐसे कॉरपोरेट खातों को निशाना बनाता था, जिनमें करोड़ों रुपये जमा रहते थे। मामले के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, कथित बैंककर्मी संपर्कों और धन के लेन-देन की कड़ियों की जांच की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपितों में पूर्वी चंपारण और शिवहर के निवासी–गिरफ्तार आरोपितों की पहचान आनंद किशोर, निवासी मझार, पकड़ीदयाल; अरविन्द कुमार और मनोरंजन कुमार, निवासी सुंदरपुर खरौना, शिवहर; रामनाथ ठाकुर, निवासी चिकनौटा, शिवहर; निरंजन यादव उर्फ नीरज कुमार, निवासी गोनाही, पताही; संतोष राम उर्फ संतोष कुमार, निवासी देवापुर, कल्याणपुर; संदीप कुमार, निवासी बिजुलपुर बकसवा, तुरकौलिया; विजय कुमार, निवासी कोटवा बाजपेयी टोला, पहाड़पुर; और पप्पू जायसवाल, निवासी श्रीपुर भरवलिया, सुगौली के रूप में हुई है। कार्रवाई में साइबर थाना के प्रभारी अपर पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष पुलिस निरीक्षक राजीव कुमार सिन्हा, पुलिस अवर निरीक्षक प्रत्युष कुमार विक्की, शिवम सिंह, तकनीकी शाखा और सशस्त्र बल की टीम शामिल थी। इस मामले में मोतिहारी साइबर थाना कांड संख्या 153/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, विदेश में बैठे कथित संचालकों, बैंक खातों के विवरण लीक होने के स्रोत और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए रकम के हस्तांतरण की कड़ियों का पता लगाने में जुटी है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मिला जैव विविधता एवं संरक्षण पुरस्कार

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के प्राणीशास्त्र विभाग के पीएचडी शोधार्थी राम प्रवेश कुमार ने अपनी उत्कृष्ट शोध उपलब्धि से विश्वविद्यालय सहित पूरे पूर्वी चंपारण का मान बढ़ाया है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'जियोडाइवर्सिटी, सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट रेजिलिएंस- 2026' में प्रतिष्ठित 'जैव विविधता एवं संरक्षण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मोतिहारी की झीलों के जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर किए गए महत्वपूर्ण शोध कार्य के लिए प्रदान किया गया। राम प्रवेश कुमार, डॉ. कुंदन किशोर रजक के निर्देशन में शोधरत हैं। सम्मेलन में राम प्रवेश कुमार ने अपने शोधपत्र 'कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ फिजिको-केमिकल वाटर क्वालिटी एंड जूप्लांकटन डाइवर्सिटी इन अर्बन एंड रूरल लेक्सः ए स्टडी ऑफ मोती लेक एंड चिलराम लेक, ईस्ट चंपारण, इंडिया' का प्रस्तुतीकरण किया। उनके शोध में पूर्वी चंपारण स्थित मोती झील और चिलराम झील के जल की भौतिक-रासायनिक गुणवत्ता तथा जूप्लवक (जूप्लांकटन) की विविधता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। यह शोध स्थानीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिति को समझने, जैव विविधता के संरक्षण और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। साथ ही, यह अध्ययन क्षेत्र की झीलों के पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित करते हुए उनके संरक्षण की आवश्यकता की ओर भी ध्यान आकर्षित करता है। राम प्रवेश कुमार की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव एवं स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज की डीन प्रो. शाहाना मजूमदार ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं, उनके शोध निर्देशक डॉ. कुंदन किशोर रजक सहित प्राणीशास्त्र विभाग के शिक्षकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह सम्मान राम प्रवेश कुमार की शोध-प्रतिभा और अकादमिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। साथ ही, यह उपलब्धि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शोध को मिल रहे प्रोत्साहन और पूर्वी चंपारण की प्राकृतिक संपदा, विशेषकर जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को नई पहचान प्रदान करती है।

बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाईः चार प्रतिष्ठानों से बाल श्रमिक मुक्त

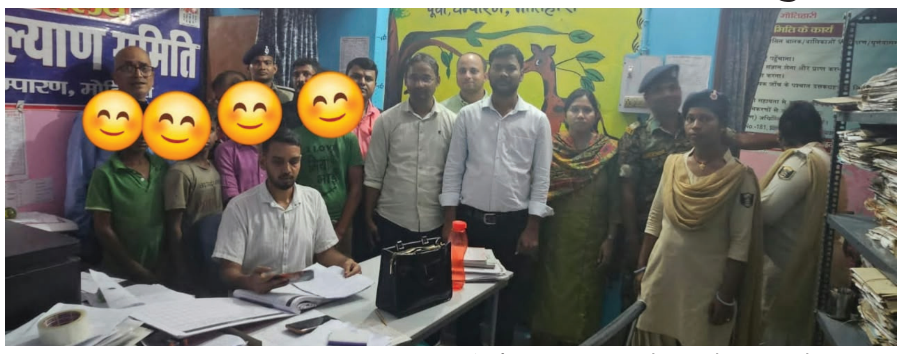

» **पहाड़पुर और हरसिद्धि में विशेष धावा दल ने चलाया सघन जांच अभियान, नियोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू**

बीएनएम @ मोतिहारी

श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार के निर्देश पर बुधवार को जिले के पहाड़पुर और हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्रों में बाल श्रम के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, पहाड़पुर एवं हरसिद्धि के नेतृत्व में गठित विशेष धावा दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जांच कर कुल चार बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। जांच अभियान के दौरान हरसिद्धि स्थित रानू स्वीट्स और जय माता दी साइकिल स्टोर तथा पहाड़पुर स्थित भवानी मोटर सर्विस सेंटर और ए.के. मोटर्स से एक-एक बाल श्रमिक को मुक्त कराया गया। इस प्रकार चार प्रतिष्ठानों से कुल चार बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया। मामले में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत संबंधित थानों में सभी नियोजकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। मुक्त कराए गए सभी बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें बाल गृह में रखा गया है। श्रम अधीक्षक सत्या प्रकाश ने स्पष्ट किया कि बच्चों से प्रतिष्ठानों में काम कराना कानूनन अपराध है। उन्होंने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत बाल श्रमिकों से काम कराने वाले व्यक्तियों के लिए 20 हजार से 50 हजार रुपये तक के जुर्माने तथा दो वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में प्रत्येक बाल श्रमिक के लिए संबंधित नियोजक से 20 हजार रुपये की दर से राशि की वसूली भी की जाएगी। श्रम अधीक्षक श्री प्रकाश ने कहा कि पूर्वी चंपारण जिले में बाल श्रम के उन्मूलन के लिए विशेष धावा अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने प्रतिष्ठान संचालकों से बाल श्रम से दूर रहने तथा कानून का पालन करने की अपील की। इस विशेष अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, पहाड़पुर, हरसिद्धि, घोड़ासहन और पिपराकोठी के अलावा डंकन हॉस्पिटल, रक्सौल के प्रतिनिधि, प्रयास संस्था एवं ग्राम नियोजन केंद्र के प्रतिनिधि शामिल रहे। अभियान में पुलिस लाइन के आठ पुलिसकर्मियों तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

नेपाल की राह पर चोरी के 59 मोबाइलः पुलिस ने कार समेत पांच तस्करों को दबोचा

बीएनएम @ मोतिहारी

चोरी के मोबाइल फोन की तस्करी के खिलाफ पूर्वी चंपारण पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच-27 पर कार्रवाई करते हुए एक कार से चोरी के 59 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मौके से तीन पुरुषों और दो महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 13 अक्टूबर की रात गश्ती और विशेष छापेमारी के दौरान सूचना मिली कि सफेद रंग की किआ सोनेट कार (रजिस्ट्रेशन नंबर BR- 05- BU- 4338) से बड़ी संख्या में चोरी के मोबाइल फोन मुजफ्फरपुर से मोतिहारी होते हुए एनएच-27 के रास्ते नेपाल ले जाए जा रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने ग्राम दामोदरपुर कट के समीप एनएच-27 पर वाहन जांच अभियान शुरू किया।

इसी दौरान संदिग्ध कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई। कार में तीन पुरुष और दो महिलाएं सवार थे। कार की सघन तलाशी के दौरान पुलिस को 59 मोबाइल फोन बरामद हुए, जिन्हें चोरी का बताया गया है। इसके बाद पुलिस ने सभी मोबाइल फोन और कार को जब्त कर लिया तथा चालक समेत कार में सवार पांचों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद मोबाइल फोन कहां से चोरी किए गए, उनकी खरीद-बिक्री में कौन-कौन शामिल है और उन्हें नेपाल तक पहुंचाने के पीछे किन लोगों का हाथ है—इन तमाम बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस इस तस्करी नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज का पता लगाने में जुटी है। इसके लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान कर उन्हें भी कानून के शिकंजे में लाया जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई को चोरी के मोबाइल फोन की तस्करी पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत स्कूलों में जागरूक होंगे विद्यार्थी

पॉक्सो एक्ट, बाल अधिकारों और सुरक्षित-असुरक्षित स्पर्श की दी जाएगी जानकारी, हर विद्यालय से दो शिक्षकों का होगा नामांकन

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की ओर से शुरू किए गए 'सुरक्षित बचपन अभियान' के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी के कक्ष में बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में जिले के विद्यालयों में बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और लैंगिक अपराधों से संरक्षण के प्रति जागरूक करने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शिक्षा विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू), एडीसीपी, किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान दंडाधिकारी ओम प्रकाश, एसएनएस लॉ कॉलेज एवं एमएस लॉ कॉलेज के प्राचार्यों सहित जिले के विभिन्न मॉडल विद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में अभियान के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने तथा संबंधित विभागों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। अभियान के प्रथम चरण में 26 से 31 अक्टूबर तक जिले के विभिन्न विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) के महत्वपूर्ण प्रावधानों, बच्चों के कानूनी अधिकारों तथा सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही, अनुचित व्यवहार की स्थिति में इसकी सूचना देने और जरूरत पड़ने पर संबंधित अधिकारियों एवं संस्थाओं से सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शोषण एवं उत्पीड़न के प्रति सजग बनाना, उन्हें अपने अधिकारों की जानकारी देना तथा किसी भी तरह की अनुचित घटना के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए सक्षम बनाना है। इसके लिए विद्यालयों में बच्चों की उम्र और समझ के अनुरूप सरल एवं व्यावहारिक तरीके से जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग का सामूहिक दायित्व है। बच्चों को उनके अधिकारों और संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देना बेहद जरूरी है, ताकि शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में वे उचित सहायता प्राप्त कर सकें। उन्होंने संबंधित विभागों एवं शैक्षणिक संस्थानों से आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों की भाषा और प्रस्तुति ऐसी होनी चाहिए, जिसे विद्यार्थी आसानी से समझ सकें और जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग कर सकें। उक्त बैठक में अभियान के व्यवस्थित संचालन के लिए प्रत्येक विद्यालय से दो शिक्षकों का नामांकन किए जाने पर भी चर्चा हुई। नामित शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर अभियान की गतिविधियों, जागरूकता कार्यक्रमों और निर्धारित कार्ययोजना के क्रियान्वयन में जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे विद्यालय स्तर पर बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और कानूनी जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने अभियान की सफलता के लिए आवश्यक सहयोग और समन्वय सुनिश्चित करने पर सहमति जताई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी की ओर से अभियान के माध्यम से जिले के अधिकाधिक बच्चों तक कानूनी जागरूकता पहुंचाने की पहल की जा रही है। इसका उद्देश्य विद्यालयों को बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण के प्रति अधिक संवेदनशील बनाना तथा बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस प्रयास करना है।

संक्षिप्त समाचार

बेतिया राज की जमीन पर बाउंड्री निर्माण रोका

बीएनएम @ बेतिया। नरकटियागंज नगर के वार्ड संख्या-12 स्थित प्रकाश नगर में बेतिया राज की जमीन पर बाउंड्री निर्माण की सूचना मिलने पर अंचल प्रशासन ने तत्काल काम रुकवा दिया। बुधवार को राजस्व अधिकारी अशोक कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य बंद कराने का निर्देश दिया। संबंधित जमीन खाता संख्या-8 और खेसरा संख्या-259 के अंतर्गत है। राजस्व अधिकारी के अनुसार, करीब 25 धुर जमीन पर मुन्ना सिंह द्वारा बाउंड्री का निर्माण कराया जा रहा था। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बेतिया राज की जमीन पर बिना वैध अनुमति निर्माण या अवैध कब्जे का प्रयास करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महिला से 50 हजार की ठगी

बीएनएम @ बेतिया। नरकटियागंज में सेंट्रल बैंक से रुपये निकालकर घर जा रही शमीमा खातून से उचक्कों ने 50 हजार रुपये ठग लिए। महिला ने थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। बताया जाता है कि बैंक में फॉर्म भरवाने के दौरान एक युवक उससे मिला, जबकि दूसरा बातचीत करने लगा। बैंक से बाहर निकलने पर दोनों ने उसे कागज का बंडल थमा दिया और झोले में रखने के बहाने उसके 50 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। बाद में महिला ने बंडल खोला तो उसमें केवल 500 रुपये का एक नोट मिला। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की मौत के मामले में पति को 10 साल की कैद

बीएनएम @ बगहा / पश्चिम चंपारण। बगहा व्यवहार न्यायालय ने वर्ष 2017 में रामनगर थाना क्षेत्र में पत्नी की मौत से जुड़े मामले में पति रंजीत चौधरी को 10 वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-चतुर्थ मानवेन्द्र मिश्रा की अदालत ने 14 अक्टूबर 2026 को फैसला सुनाते हुए सास दयमंती देवी और ससुर मथुरा प्रसाद को भी तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास तथा 25-25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा दी। पति को धारा 498ए के तहत भी तीन वर्ष की कैद और 10 हजार रुपये अर्थदंड लगाया गया। सास-ससुर को भी इस धारा में तीन-तीन वर्ष की कैद और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। मामला रामनगर थाना कांड संख्या 28/2017 से संबंधित है। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक जितेंद्र कुमार भारती ने पैरवी की।

शराब के साथ कई गिरफ्तार, 15 वारंट निष्पादित

बीएनएम @ बगहा / पश्चिम चंपारण। बगहा पुलिस ने शराबबंदी कानून और अपराध नियंत्रण को लेकर विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए शराब, बाइक और मोबाइल बरामद किए। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के अनुसार, धनहा थाना क्षेत्र से 63 लीटर देशी शराब, एक बाइक और एक मोबाइल बरामद किया गया। सेमरा थाना पुलिस ने पांच लीटर और भितहां थाना पुलिस ने नौ लीटर देशी शराब के साथ आरोपितों को पकड़ा। अन्य थाना क्षेत्रों में भी विभिन्न मामलों में गिरफ्तारियां की गईं। नौरंगिया थाना क्षेत्र के नौ आरोपितों को रिकॉल पर मुक्त किया गया। अभियान के दौरान 15 वारंट और एक कुर्की का निष्पादन किया गया। वाहन जांच में 400 वाहनों की जांच कर नियमों के उल्लंघन पर 94 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।

दिलशाद की मौत पर तेजस्वी ने परिवार से की वीडियो कॉल, न्याय का भरोसा

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण। पुलिस हिरासत में दिलशाद अंसारी की मौत के मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने मंगलवार शाम वीडियो कॉल कर पीड़ित परिवार से बातचीत की और जल्द न्याय दिलाने का भरोसा दिया। परिजनों ने पुलिस पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। उनके अनुसार, 12 अक्टूबर की रात करीब दो बजे पुलिस दिलशाद को घर से गिरफ्तार कर ले गई थी। वहीं, पुलिस का कहना है कि थाने ले जाने के दौरान वह चलती गाड़ी से कूद गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लगी और इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मामले में सहोदरा थानाध्यक्ष समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। घटना की जांच जारी है। अब निष्पक्ष जांच से ही दिलशाद की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

नेपाल में गैस सिलेंडर फटने से तीन घायल, एक भारतीय शामिल

बीएनएम @ वाल्मीकिनगर / पश्चिम चंपारण । पड़ोसी देश नेपाल के नवलपरासी जिले में सोमवार शाम दो अलग-अलग स्थानों पर गैस सिलेंडर फटने से एक भारतीय नागरिक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सितंबर के अंतिम सप्ताह में गंडक नदी में आई बाढ़ के दौरान बहकर आए गैस सिलेंडरों को नदी से निकालकर कबाड़ियों को बेचा गया था। इसी दौरान गंडक बराज के 36 नंबर फाटक के पास रानीनगर जाने वाले रास्ते पर सिलेंडर अचानक फट गया, जिससे उनका बायां हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। उन्हें पहले वाल्मीकिनगर के एक निजी क्लीनिक में ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद अनुमंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना पूर्वी नवलपरासी जिले की कवासोती नगरपालिका के वार्ड संख्या 17 स्थित अमलटांडी में हुई। मध्यबिंदु नगरपालिका निवासी 49 वर्षीय कासी बोटे गंडक नदी के किनारे से निकाला गया सिलेंडर बेचने के लिए 28 वर्षीय कबाड़ी सचिन कुमार के पास पहुंचे थे। सिलेंडर को हैक्सा ब्लेड से काटने के दौरान अचानक विस्फोट हो गया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए भरतपुर स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लगातार हुई इन घटनाओं के बाद बाढ़ में बहकर आए सिलेंडरों को बिना जांच के खरीदने और काटने के खतरों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

गैस सिलिंडर ब्लास्ट, दुकान का सामान जलकर राख

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण। मझौलिया प्रखंड की करमवा पंचायत स्थित देवान चौक पर बुधवार दोपहर गैस सिलिंडर में आग लगने के बाद जोरदार धमाका हो गया। हादसे में दुकानदार संदीप कुशवाहा की दुकान में रखा सामान और फ्रिज जलकर राख हो गया। संदीप कुशवाहा दुकान में पकौड़े बना रहे थे, तभी सिलिंडर में आग लग गई। खतरा भांपकर वह समय रहते दुकान से बाहर निकल गए, जिससे उनकी जान बच गई। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना अंचलाधिकारी डॉली कुमारी को दी गई है। उन्होंने नुकसान का जायजा लेकर नियमानुसार मुआवजे की प्रक्रिया पूरी करने की बात कही है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रामगढ़वा में प्रभार का खेल, निदेशक के आदेश की अनदेखी

वरिष्ठ शिक्षकों की मौजूदगी में कनिष्ठों को प्रभार, दस से अधिक मध्य विद्यालयों में नियमों की अनदेखी का आरोप

बीएनएम @ विजय कुमार

रामगढ़वाः प्रखंड में मध्य विद्यालयों के प्रधानाध्यापक प्रभार को लेकर शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि राज्य और जिला स्तर के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद वरीयता के निर्धारित नियमों की अनदेखी की जा रही है। कई विद्यालयों में वरीय शिक्षकों की मौजूदगी के बावजूद कनिष्ठ शिक्षक प्रभार संभाले हुए हैं, जबकि वरीय शिक्षक न्याय की उम्मीद में विभागीय कार्यालयों का चक्कर काटने को मजबूर हैं। मामला केवल प्रशासनिक उदासीनता तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे शिक्षा विभाग के आदेशों के अनुपालन और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय व्यवस्था पर कथित तौर पर बाहरी प्रभाव हावी है, जिसके कारण प्राथमिक शिक्षा निदेशक के निर्देश भी जमीन पर प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं। ताजा मामला प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय, रघुनाथपुर का है। यहां वरीय स्नातक ग्रेड शिक्षकों के रहते बेसिक ग्रेड के शिक्षक के प्रभार में बने रहने का मामला सामने आया है। संबंधित शिक्षक का दावा है कि प्राथमिक शिक्षा निदेशक के निर्देशानुसार स्नातक ग्रेड के वरीय शिक्षक की उपलब्धता में बेसिक ग्रेड के शिक्षक को प्रभार देना नियमसम्मत नहीं है। विद्यालय के वरीय शिक्षक रत्नेश तिवारी के अनुसार, इस कथित अनियमितता को लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी, अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी और सहयोग पोर्टल तक शिकायत की गई। इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। रत्नेश तिवारी के मुताबिक, लगातार शिकायतों और प्रयासों के बाद 13 जुलाई को जिला शिक्षा पदाधिकारी, मोतिहारी ने शिक्षिका ललिता कुमारी को प्रभार सौंपने संबंधी पत्र जारी किया था। साथ ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को अपनी देखरेख में आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, संबंधित पक्ष का आरोप है कि आदेश जारी होने के बावजूद अब तक उस पर अमल नहीं किया गया है। इस मामले में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि न तो जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित कराया गया और न ही आदेश के अनुपालन में आ रही बाधाओं अथवा अनुपालन नहीं होने की स्थिति से जिला कार्यालय को अवगत कराया गया। हालांकि, इस संबंध में संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना शेष है। ग्रामीणों का दावा है कि प्रभार से जुड़ी अनियमितता केवल रघुनाथपुर विद्यालय तक सीमित नहीं है। रामगढ़वा प्रखंड के दस से अधिक मध्य विद्यालयों में वरीयता की अनदेखी कर प्रभार दिए जाने की शिकायतें हैं। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह शिक्षा विभाग की प्रशासनिक व्यवस्था और आदेशों के पालन पर गंभीर प्रश्नचिह्न होगा। विद्यालयों में प्रभार को लेकर विवाद और खींचतान का सीधा असर शैक्षणिक माहौल पर पड़ने की आशंका है। जिस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यालयों का सुचारु संचालन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है, वही यदि विवादों में उलझ जाए, तो इसका खामियाजा अंततः विद्यार्थियों को भुगतना पड़ सकता है। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न है कि जब जिला स्तर से प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया जा चुका है, तो उसके अनुपालन में देरी हो रही है क्यों ? यदि आदेश के बावजूद संबंधित विद्यालय में स्थिति नहीं बदली है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? क्या विभागीय स्तर पर आदेशों की निगरानी और जवाबदेही तय करने की व्यवस्था प्रभावी ढंग से काम कर रही है? शिक्षा विभाग के लिए यह मामला केवल प्रभार विवाद नहीं, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और नियमसम्मत कार्यप्रणाली की परीक्षा भी है। वरीयता के नियमों का पालन सुनिश्चित करना और जारी आदेशों को समयबद्ध तरीके से लागू कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। अब आवश्यकता है कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग मामले की निष्पक्ष जांच कराएं, संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब करें और शिकायतों की सत्यता के आधार पर उचित कार्रवाई करें। साथ ही, जिन विद्यालयों में वरीयता के नियमों की अनदेखी की शिकायतें हैं, वहां अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार प्रभार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आखिरकार, सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था आदेशों और नियमों से चलनी चाहिए, न कि कथित प्रभाव, मनमानी या विभागीय उदासीनता से। शिक्षा विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि निदेशक और जिला स्तर के आदेश केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका अनुपालन धरातल पर भी दिखाई दे।

कार से 59 चोरी के मोबाइल बरामद,पांच गिरफ्तार

बीएनएम @ मेहसी(पूर्वी चंपारण)

जिले में पुलिस ने चोरी के मोबाइल की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एनएच-27 पर एक कार से 59 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस दौरान तीन पुरुष और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 13 अक्टूबर की रात गश्ती और विशेष छापेमारी के दौरान सूचना मिली कि सफेद रंग की किआ सोनेट कार (बीआर-05-बीयू-4338) से चोरी के मोबाइल मुजफ्फरपुर से मोतिहारी होते हुए नेपाल ले जाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर ग्राम दामोदरपुर कट के पास एनएच-27 पर वाहन जांच शुरू की गई। इसी दौरान संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 59 मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस ने चालक समेत कार में सवार पांचों लोगों को गिरफ्तार कर मोबाइल और वाहन जब्त कर लिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस चोरी के मोबाइल की खरीद-बिक्री और नेपाल तक तस्करी करने वाले नेटवर्क का पता लगाने के लिए अन्य संदिग्धों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

वास्तु विहार में धूमधाम से मनाई जा रही दुर्गा पूजा

बीएनएम @ बेगूसराय

बेगूसराय की वास्तु विहार कॉलोनी में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ की जा रही है। पिछले दो वर्षों से वर्तमान दुर्गा पूजा समिति की देखरेख में भव्य आयोजन किया जा रहा है। समिति की कार्यशैली और पूजा की सुव्यवस्थित व्यवस्था को देखते हुए कॉलोनीवासियों ने वर्तमान समिति को अगले पांच वर्षों तक जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया है। समिति में संदीप कुमार अध्यक्ष, दीपक कुमार कोषाध्यक्ष और प्रशांत कुमार संयोजक हैं, जबकि अशोक कुमार और शशिकांत झा सदस्य के रूप में आयोजन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। सभी सदस्य आपसी सहयोग से पूजा-अर्चना, मंदिर की सजावट और धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्था संभाल रहे हैं। मंदिर परिसर में प्रतिदिन शाम को भजन संध्या आयोजित की जाती है। संध्या आरती में कॉलोनी के लोग बड़ी संख्या में शामिल होकर मां दुर्गा की आराधना करते हैं। भजन-कीर्तन और सामूहिक आरती से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहता है। मंदिर की आकर्षक सजावट और श्रद्धालुओं के लिए बनाया गया सेल्फी प्वाइंट लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। परिसर में हनुमान मंदिर, शिव मंदिर और मां दुर्गा का मंदिर भी स्थित है। प्राकृतिक वातावरण के बीच बने इस धार्मिक स्थल पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना के साथ आध्यात्मिक शांति का अनुभव कर रहे हैं। समिति के अनुसार, पूजा आयोजन के लिए श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार आर्थिक सहयोग देते हैं। इसी सहयोग से पूजा और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान समिति को अगले पांच वर्षों तक जिम्मेदारी सौंपे जाने से सदस्यों में उत्साह है। कॉलोनीवासियों का सहयोग और सहभागिता आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वास्तु विहार की दुर्गा पूजा धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी एकता, सहयोग और सामाजिक सद्भाव का भी संदेश दे रही है।

घोड़ासहन, रीगा और बैरगनिया को रेलवे की बड़ी सौगात, कई एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को मिली मंजूरी

दिल्ली, हैदराबाद और तिरुपति जाने वाले यात्रियों को मिलेगी राहत, प्रायोगिक आधार पर शुरू होगा ट्रेनों का ठहराव

बीएनएम @ घोड़ासहन

सीमावर्ती क्षेत्र के रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। वर्षों से लंबी दूरी की प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग अब पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ी है। रेलवे बोर्ड ने घोड़ासहन, रीगा और बैरगनिया रेलवे स्टेशनों पर कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से स्थानीय यात्रियों को दिल्ली, हैदराबाद और तिरुपति सहित देश के विभिन्न हिस्सों तक आवागमन में सुविधा मिलेगी। वहीं, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। रेलवे बोर्ड से मिली मंजूरी के अनुसार, घोड़ासहन स्टेशन पर लौकहा बाजार–आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन का ठहराव होगा। वहीं, रीगा स्टेशन पर हैदराबाद–रक्सौल एक्सप्रेस और दरभंगा–गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस को ठहराव की अनुमति दी गई है। इसके अलावा, बैरगनिया स्टेशन पर तिरुपति–रक्सौल एक्सप्रेस का ठहराव स्वीकृत किया गया है।

स्वीकृत ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है—

घोड़ासहन स्टेशनः ट्रेन संख्या 04013/04014, लौकहा बाजार–आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल।

रीगा स्टेशनः ट्रेन संख्या 17005/17006, हैदराबाद–रक्सौल एक्सप्रेस तथा ट्रेन संख्या 15561/15562, दरभंगा–गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस।

बैरगनिया स्टेशनः ट्रेन संख्या 17433/17434, तिरुपति–रक्सौल एक्सप्रेस।

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार, इन ट्रेनों का ठहराव प्रायोगिक आधार पर जल्द ही शुरू किया जाएगा। हालांकि, ठहराव लागू होने की निर्धारित तिथि की आधिकारिक घोषणा अभी की जानी है। रेलवे प्रशासन ने संबंधित स्टेशन अधीक्षकों को टिकट बिक्री के आंकड़ों पर लगातार नजर रखने तथा यात्रियों के बीच इन सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है। टिकट बिक्री और यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर भविष्य में इन ठहरावों को स्थायी किए जाने की संभावना रहेगी।

वर्षों की मांग और सामाजिक पहल लाई रंग- घोड़ासहन, रीगा और बैरगनिया क्षेत्र के लोग लंबे समय से लंबी दूरी की प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग कर रहे थे। सीमावर्ती इलाका होने के कारण यहां के यात्रियों को दूसरे राज्यों तक जाने के लिए अक्सर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। ऐसे में रेलवे बोर्ड का यह निर्णय क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम चौधरी ने रेलवे बोर्ड और वरिष्ठ रेल अधिकारियों को पत्र लिखकर इन स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की आवश्यकता और उपयोगिता से अवगत कराया था। इसके बाद तकनीकी एवं परिचालन संबंधी व्यवहार्यता की जांच के उपरांत रेलवे बोर्ड ने ठहराव को मंजूरी प्रदान की। रेलवे के इस फैसले से स्थानीय लोगों, व्यापारियों और दैनिक यात्रियों में खुशी का माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि इन ट्रेनों के ठहराव से क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और लंबी दूरी की यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक बनेगी।

1500 वर्ष पुरानी आस्था और परंपरा का प्रतीक

बीएनएम @ सहरसा

बिहार के सहरसा जिले के कहरा प्रखंड अंतर्गत दिवारी स्थित मां विषहरी मनसा देवी स्थान मिथिला और कोसी अंचल की अटूट आस्था एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र है। सहरसा मुख्यालय से लगभग पांच से छह किलोमीटर दक्षिण सहरसा-सिमरी बख्तियारपुर मार्ग पर स्थित यह सिद्धपीठ धार्मिक श्रद्धा के साथ अपनी अनूठी सामाजिक परंपराओं के लिए भी प्रसिद्ध है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर का इतिहास करीब 1500 वर्ष पुराना है। लोककथाओं के अनुसार, मां विषहरी अपने अनन्य भक्त, बनगांव निवासी विश्वनाथ झा के पुत्र के कंधे पर सवार होकर भागलपुर क्षेत्र से यहां पहुंची थीं और इसी स्थान को अपना निवास बनाया। बताया जाता है कि दरभंगा राज के अधीन राजबनेली रियासत के राजाओं ने मंदिर के रखरखाव के लिए 51 बीघा भूमि दान में दी थी, जिसमें आठ बीघा भूमि पर मूल मंदिर परिसर का विस्तार हुआ। इस मंदिर की मान्यताएं प्रसिद्ध बिहुला-विषहरी लोककथा से भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि चांदो सौदागर द्वारा मां विषहरी की पूजा से इनकार करने पर उनके पुत्र बाला लखेंद्र को सर्प ने डस लिया था। इसके बाद उनकी पत्नी बिहुला ने अपनी अटूट भक्ति से पति के प्राण वापस प्राप्त किए। इस लोककथा का प्रभाव आज भी कोसी और अंग क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं में दिखाई देता है। दिवारी मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सदियों से नाई समाज के लोग वंशानुगत रूप से मुख्य पुजारी की भूमिका निभाते आ रहे हैं। समाज के दो दर्जन से अधिक परिवार माता की सेवा और श्रद्धालुओं को पूजा कराने में लगे हैं। यह परंपरा सामाजिक समरसता की अनूठी मिसाल मानी जाती है। मंदिर में पांच बहन भगवती के रूप में माता धुताला, माता मनसा, माता मिसड़ा, माता विषहरी और माता पायल की पूजा की जाती है। श्रद्धालु गर्भगृह में पिंडी स्वरूप में विराजमान भगवती की पूजा-अर्चना करते हैं। इस दौरान कच्चा दूध, धान का लावा, बताशा, लड्डु, पान, अक्षत, फूल, सुपारी और लाल चुनरी अर्पित की जाती है। स्थानीय लोगों के बीच मंदिर के पवित्र जल, जिसे नीर कहा जाता है, को लेकर भी विशेष आस्था है।

स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक उपयोग से बचने की अपील

बीएनएम @ बगहा / पश्चिम चंपारण

नगर परिषद बगहा में स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत स्वच्छता साथियों ने अनुमंडल परिसर, मैदान और मंदिर परिसर में साफ-सफाई की। इस दौरान होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को प्रतिबंधित प्लास्टिक व पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए जागरूक किया गया। नगर कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा ने कहा कि स्वच्छता सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं, स्वच्छता पदाधिकारी अब्दुल बाकी ने लोगों से कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने और प्लास्टिक के उपयोग से बचने की अपील की। नगर परिषद ने नागरिकों, व्यवसायियों और संस्थानों से अभियान में सहयोग कर स्वच्छ एवं सुंदर बगहा बनाने का आह्वान किया।

दिल्ली में लोकतंत्र बनाम सुरक्षा का महासंग्राम! जंतर- मंतर बना सत्ता की अग्निपरीक्षा!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

दिल्ली में लोकतंत्र पर पहरा या सुरक्षा का चक्रव्यूह? - 57 मेट्रो स्टेशन बंद,ट्रेनें रद्द और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा सियासी संग्राम!

लोकतंत्र की आवाज़ या कानून-व्यवस्था की चुनौती? - दिल्ली में 57 मेट्रो स्टेशनों पर पाबंदी,अनेक मेल एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द -आखिर किस बात का है इतना डर? लोकतंत्र पर तीखी बहस !खड़े किए बड़े सवाल?

वैश्विक स्तरपर 9 अक्टूबर 2026 मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक, प्रशासनिक और संवैधानिक बहस तेज कर दी है।प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने, दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों पर पाबंदियों की तैयारी और दिल्ली पहुंचने वाली कुछ मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने के फैसलों ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं?।क्या यह कदम कानून- व्यवस्था बनाए रखने की एहतियाती रणनीति है या इसका असर नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार पर भी पड़ रहा है? यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बन गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि यहाँ 57 मेट्रो स्टेशन और रेल सेवाओं पर पाबंदी से बढ़ा विवाद, रेलवे बोर्ड के 9 अक्टूबर के आदेशके अनुसार निर्धारित समयावधि में नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने वाली कुछ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को उनके शुरुआती स्टेशनों से रद्द किया गया है।ये पाबंदियां 10 अक्टूबर को सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच पहुंचने वाली संबंधित ट्रेनों पर लागू बताई गई हैं। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने 57 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद रखने की व्यवस्था की घोषणा की है।उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पाबंदियों का प्रभाव रेड, येलो, ब्लू, वायलेट,पिंक और मैजेंटा लाइनों सहित कई मेट्रो मार्गों पर पड़ना है। इससे यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और दूसरे जरूरी कामों से दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी हो सकतीहै।हालांकि सभी ट्रेनों के रद्द होने या पूरी मेट्रो सेवा बंद होने का दावा करना सही नहीं होगा पाबंदियों का वास्तविक दायरा संबंधित आधिकारिक आदेशों से ही स्पष्ट होगा। साथियों बात अगर हम सीजेपी का ऐलान युवाओं से डरती है सरकार तो पूरा देश बंद कर दे को समझने की करें तो, सीजेपी के संस्थापक ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि जंतर- मंतर निर्धारित प्रदर्शन स्थल है और पार्टी हर हाल में प्रदर्शन करेगी। उनका तर्क है कि शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है और कथित चुनावी अनियमितताओं पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार किया है, जबकि जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ाई गई है। पार्टी ने देशभर में अपने कम से कम 10 हजार सदस्यों को हिरासत में लिए जाने का दावा भी किया है, लेकिन इस संख्या की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इसलिए इस दावे को स्थापित तथ्य के बजाय पार्टी के आरोप के रूप में ही सटीकता से देखा जाना चाहिए। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट में उठा सवाल सुरक्षा या नागरिक अधिकार? इसको समझने की करें तोअब इस विवाद ने न्यायिक स्तर पर भी ध्यान खींचा है।वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रदर्शन से पहले रेल सेवाओं, मेट्रो स्टेशनों तथा इंटरनेट सेवाओं पर संभावित पाबंदियों को लेकर चिंता जताई।सिब्बल ने सवाल उठाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए राजधानी आने वाले लोगों की आवाजाही पर इतनी व्यापक रोक क्यों लगाई जा रही है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस को खुली छूट देने की मांग वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने युवाओं के भविष्य और उनके परिवारों पर कानूनी कार्रवाई के प्रभाव को ध्यान में रखने की बात कही। साथ ही, अदालत ने स्पष्ट किया कि आदतन अपराधियों या गंभीर अपराधों के आरोपियों को पूर्व आदेशों के तहत मिली सुरक्षा का लाभ स्वतः नहीं मिलेगा। न्यायालय की इस टिप्पणी का अर्थ कानून-व्यवस्था की आवश्यकता को नकारना नहीं,बल्कि कार्रवाई में सटीकता से उचित संतुलन बनाए रखना है। साथियों बात अगर हम अघोषित आपातकाल का आरोप और 1942 के आंदोलन से तुलना को समझने की करें तो, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वीडियो संदेश में गिरफ्तारियों,दिल्ली आने से रोके जाने और परिवहन प्रतिबंधों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इन परिस्थितियों की तुलना 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से करते हुए इसे अघोषित आपातकाल करार दिया। यह उनका राजनीतिक आरोप है, कोई न्यायिक निष्कर्ष नहीं। उन्होंने लोगों से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रखने की अपील की है। दूसरी ओर, प्रशासन के सामने संभावित भीड़, यातायात, सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है। ऐसे में दोनों पक्षों की कार्रवाइयों और दावों का आकलन प्रमाणों के आधार पर होना जरूरी है।

लोकतंत्र की असली परीक्षाः विरोध का अधिकार और व्यवस्था की सटीकता से जिम्मेदारी हैं। साथियों बात अगर इस पूरे घटनाक्रम का महत्व किसी एक पार्टी या एक प्रदर्शन तक सीमित नहीं है इसको समझने की करें तो, चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं तो उनका पारदर्शी और तथ्याधारित जवाब देना संस्थाओं की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है। उसी तरह शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। प्रशासन को सुरक्षा संबंधी कदम उठाने का अधिकार है, लेकिन उनकी आवश्यकता, अनुपात और नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा भी जरूरी है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों को कानून का पालन करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि 10 अक्टूबर का घटनाक्रम इस बात की कसौटी बनेगा कि लोकतंत्र में असहमति को किस तरह संभाला जाता है।

(-लेखक क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) हैं)

सवाल मतदाता का है, जवाबदेही सरकार और चुनाव आयोग की भी है

सौरभ वार्ष्णेय

आज देश के सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन-सा राजनीतिक दल किसके पक्ष में खड़ा है, बल्कि सवाल यह है कि मतदाता के मन में उठ रहे संदेहों का समाधान कौन करेगा? लोकतंत्र की असली ताकत सत्ता के प्रचार में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास में होती है। जब मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर तरह-तरह के सवाल उठने लगें और उनके जवाब स्पष्ट तथा समय पर जनता के सामने न आएं, तो भ्रम की स्थिति पैदा होना स्वाभाविक है। यह स्थिति किसी एक दल या एक विचारधारा तक सीमित नहीं है। आज सत्ता पक्ष के पास अपनी बात जनता तक पहुंचाने के लिए तमाम साधन हैं। सरकार अपनी योजनाओं, उपलब्धियों और नीतियों का प्रचार पूरे जोर-शोर से करती है। यह उसका अधिकार भी है। लेकिन लोकतंत्र में केवल सरकार की बात जनता तक पहुंचना पर्याप्त नहीं है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाने वाले नागरिकों, राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों को भी अपनी बात रखने का समान अवसर मिलना चाहिए और यही लोकतंत्र की खूबसूरती है। निर्वाचन आयोग स्वयं मतदाता सेवाओं के लिए नाम खोजने, मतदाता सूची में संशोधन, शिकायत दर्ज करने और अपील जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। वर्तमान में आयोग के पोर्टल पर एसआईआर 2026 से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध हैं। आयोग का घोषित उद्देश्य यह है कि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति उसमें शामिल न हो। फिर सवाल यह है कि यदि व्यवस्था इतनी स्पष्ट है तो मतदाता के बीच भ्रम की गुंजाइश क्यों पैदा हो रही है? यही वह प्रश्न है जिसका जवाब केवल राजनीतिक बयानबाजी से नहीं दिया जा सकता। आज चुनाव आयोग को लेकर अलग-अलग राजनीतिक दलों और समूहों की ओर से अनेक दावे किए जा रहे हैं। इनमें से कौन-सा दावा तथ्यात्मक है और कौन-सा राजनीतिक आरोप—इसका फैसला जनता को प्रमाण और आधिकारिक जानकारी के आधार पर करना चाहिए। लेकिन यहां सरकार और निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। यदि किसी चुनावी प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में संदेह है तो उसका सबसे अच्छा उत्तर यह नहीं हो सकता कि सवाल उठाने वालों को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाए। बेहतर उत्तर है। सभी आंकड़े सार्वजनिक कीजिए प्रक्रिया समझाइए, आपत्तियों का जवाब दीजिए और जहां गलती हुई है, उसे स्वीकार कर सुधार कीजिए।निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और चुनाव प्रक्रिया में उसकी विश्वसनीयता लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोग स्वयं मतदाता सूची, पंजीकरण, संशोधन और शिकायतों के लिए आधिकारिक माध्यम उपलब्ध कराता है। इसलिए जनता के सवालों का जवाब भी उतनी ही स्पष्टता से आधिकारिक स्तर पर सामने आना चाहिए।

आखिर आंदोलन से डर क्यों? दूसरा बड़ा सवाल विरोध और आंदोलन को लेकर है। भारत का संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और बिना हथियार सभा करने का अधिकार देता है। साथ ही संविधान यह भी स्पष्ट करता है कि इन अधिकारों पर कानून के अनुसार उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसलिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। लेकिन कानून-व्यवस्था और लोकतांत्रिक असहमति के बीच अंतर करना भी उतना ही जरूरी है। यदि कोई राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहता है, तो प्रशासन की भूमिका उसे पूरी तरह रोकने की बजाय ऐसी व्यवस्था बनाने की होनी चाहिए जिससे प्रदर्शन भी हो सके और आम जनता को असुविधा भी न हो।स्थान निर्धारित किया जा सकता है। समय निर्धारित किया जा सकता है। यातायात की व्यवस्था की जा सकती है। पुलिस बल तैनात किया जा सकता है। सुरक्षा के लिए आवश्यक शर्तें लगाई जा सकती हैं।लेकिन सवाल यह है कि क्या हर असहमति को कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित है? यह प्रश्न आज केवल विपक्ष का नहीं है। कल यही परिस्थिति किसी दूसरे राजनीतिक दल, किसी सामाजिक संगठन या आम नागरिक के सामने भी आ सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटियों को बचपन, अधिकार और उड़ान देने का समय

श्वेता गोयल

किसी समाज की प्रगति का वास्तविक आकलन उसकी ऊंची इमारतों, आर्थिक समृद्धि अथवा तकनीकी उपलब्धियों से ही नहीं, इस बात से भी होता है कि वहां जन्म लेने वाली प्रत्येक लड़की को अपने सपने चुनने, उन्हें पूरा करने और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की कितनी स्वतंत्रता प्राप्त है। विडंबना है कि 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयां छू रहे हैं, महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर संसद तक अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं लेकिन दुनिया के अनेक हिस्सों में लाखों लड़कियों का बचपन आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा की भेंट चढ़ रहा है। उनके हाथों में किताबों के बजाय घरेलू जिम्मेदारियां थमा दी जाती हैं और उनके सपनों को सामाजिक परंपराओं की दुहाई देकर समय से पहले कुचल दिया जाता है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं बल्कि उस व्यवस्था से सवाल करने का दिन है, जो लड़की के जन्म से ही उसके भविष्य की सीमाएं निर्धारित करने लगती है। प्रतिवर्ष 11 अक्तूबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से की थी। वर्ष 2012 में पहली बार इस दिवस का आयोजन हुआ। वर्ष 2026 का विषय है 'बाल विवाह समाप्त करो और लड़कियों के अधिकारों में निवेश करो!' यह संदेश स्पष्ट करता है कि बालिकाओं के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान केवल कानून बनाने अथवा जागरूकता अभियान चलाने से नहीं होगा। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, कौशल विकास और आर्थिक स्वतंत्रता में निरंतर निवेश करना होगा। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ ने इस वर्ष लड़कियों की आवाज, नेतृत्व तथा अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के अधिकार को विशेष महत्व दिया है। बाल विवाह वस्तुतः बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता का एक साथ हनन है। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में गर्भधारण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता का जोखिम बढ़ सकता है। इससे उनका व्यक्तित्व विकास बाधित होता है और निर्णय लेने की क्षमता सीमित रह जाती है। गरीबी, दहेज की चिंता, असुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा की गलत धारणाएं और पितृसत्तात्मक मानसिकता इस कुप्रथा को बनाए रखने में भूमिका निभाती हैं। कई परिवार आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा पाने अथवा लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर कम उम्र में विवाह को उचित ठहराते हैं जबकि वास्तविक समाधान उसे शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया में हर वर्ष 1.2 करोड़ से अधिक लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि बाल विवाह कोई सीमित क्षेत्र की सामाजिक समस्या नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर बाल अधिकारों के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। यूनिसेफ के अनुसार, पिछले दशकों में बाल विवाह की व्यापकता घटाने में प्रगति हुई है लेकिन इसकी रफ्तार तेज करना जरूरी है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों, मानवीय संकटों और जलवायु आपदाओं से प्रभावित समुदायों में लड़कियों के सामने जोखिम और बढ़ जाते हैं। विस्थापन, गरीबी तथा शिक्षा और सुरक्षा सेवाओं की अनुपलब्धता उन्हें कम उम्र में विवाह के प्रति अधिक असुरक्षित बना सकती है। भारत में भी स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हो गया था। यह आंकड़ा पिछले सर्वेक्षण के 26.8 प्रतिशत से कम अवश्य है लेकिन अब भी लगभग हर चार में से एक महिला के बाल विवाह के अनुभव की ओर संकेत करता है। राज्यों और सामाजिक समूहों के बीच अंतर भी इस चुनौती को जटिल बनाता है। इसलिए राष्ट्रीय औसत में सुधार को समस्या का अंत मान लेना उचित नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक प्रभावी सहायता पहुंचाना अब भी आवश्यक है।

बाल विवाह के विरुद्ध भारत में कानूनी व्यवस्था मौजूद है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सामान्यतः लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए 21 वर्ष से कम आयु में विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कानून का उद्देश्य केवल विवाह रोकना नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। हालांकि, कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, बाल संरक्षण तंत्र कितना सक्रिय है और पीड़ित बालिका को विवाह रुकने के बाद शिक्षा, परामर्श, सुरक्षा तथा आर्थिक सहायता कितनी उपलब्ध होती है। किसी विवाह को रोक देना महत्वपूर्ण है लेकिन लड़की को उसके बाद सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन का अवसर देना उतना ही जरूरी है।

बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए भारत में कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका के जन्म, शिक्षा और सामाजिक सम्मान को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने में भूमिका निभाई है। सुकन्या समृद्धि योजना परिवारों को बालिका के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्तियां, विद्यालयों में शौचालय, किशोरियों के स्वास्थ्य कार्यक्रम और कौशल विकास की पहलें उनकी निरंतर पढ़ाई तथा आत्मनिर्भरता के लिए उपयोगी हैं। पश्चिम बंगाल की कन्याश्री जैसी योजनाओं ने बालिकाओं की शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया है। किंतु योजनाओं की वास्तविक उपलब्धि घोषणाओं अथवा लाभार्थियों की संख्या से नहीं, इस बात से मापी जानी चाहिए कि कितनी लड़कियां विद्यालय में बनी रही, कितनों का विवाह कानूनी आयु से पहले नहीं हुआ और कितनों को अपनी पसंद का जीवन चुनने की स्वतंत्रता मिली। बालिका अधिकारों का प्रश्न शिक्षा और विवाह की आयु तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग में इंटरनेट तक असमान पहुंच, ऑनलाइन उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की कमी भी लड़कियों की संभावनाओं को सीमित करती है। विद्यालयों में विज्ञान, तकनीक, गणित और उद्यमिता के अवसरों के साथ जीवन-कौशल, डिजिटल साक्षरता, आत्मरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किशोरियों को मासिक धर्म, प्रजनन स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर बिना संकोच बात करने का वातावरण मिलना चाहिए। परिवारों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की आवाजाही, मित्रता और शिक्षा पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है। सुरक्षित वातावरण तैयार करना समाज और संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

वैश्विक स्तर पर लैंगिक समानता की स्थिति भी बताती है कि अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। विश्व आर्थिक मंच की 'ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025' में भारत 148 अर्थव्यवस्थाओं में 131वें स्थान पर रहा और उसका समग्र लैंगिक समानता स्कोर 64.4 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह सूचकांक बालिकाओं की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं है लेकिन व्यापक लैंगिक असमानताओं की ओर संकेत करता है, जिनका प्रभाव लड़कियों के अवसरों और भविष्य पर पड़ सकता है। इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन और अंतर-संसदीय संघ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2025 तक विश्वभर में मंत्रिमंडल स्तर के पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 22.9 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा और प्रतिभा के बावजूद निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है। बाल विवाह समाप्त करने के लिए सरकार, प्रशासन, विद्यालयों, पंचायतों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों और परिवारों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रत्येक बालिका का विद्यालय में नामांकन ही नहीं, उसकी नियमित उपस्थिति और माध्यमिक शिक्षा पूरी करना भी सुनिश्चित किया जाए। बाल विवाह की आशंका वाले क्षेत्रों में स्थानीय निगरानी समितियां सक्रिय हों, शिकायत तंत्र सुलभ बने और पीड़ित लड़कियों को संरक्षण तथा पुनर्वास मिले। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को ऐसी सहायता दी जाए, जिससे बेटी की पढ़ाई आर्थिक बोझ न बने। योजनाओं के बजट, लाभार्थियों और परिणामों का सार्वजनिक मूल्यांकन हो तथा बालिकाओं को प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सबसे बढ़कर, लड़कों और पुरुषों को भी समानता के इस अभियान का सहभागी बनाना होगा क्योंकि भेदभावपूर्ण सामाजिक मान्यताओं में बदलाव सामूहिक प्रयास से ही संभव है। किसी लड़की का भविष्य उसकी जन्मतिथि, आर्थिक स्थिति या सामाजिक रूढ़ियों से निर्धारित नहीं होना चाहिए। (लेखिका 18 वर्ष से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशि: आज जो भी काम शुरू करेंगे वो समय पर पूरा हो जाएगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नए व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिए शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आपके भविष्य में बेहद काम आएगी। आज आप अपनी मेहनत, धैर्य और समझदारी से सारे काम निपटा लेंगे। शुभ अंक – 8

वृष राशि: ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नए स्रोत प्राप्त होंगे। आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का प्रयत्न करें। छोटे बच्चे बहुत खुश रहेंगे, वे अपने लिए कोई नया खेल तलाश करेंगे। शुभ अंक – 6

मिथुन राशि: आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा महसूस होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन कोई नई डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यों की सराहना होगी। शुभ अंक – 2

कर्क राशि: आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप विदेश में भी व्यापार करने की योजना बनाएंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बहुत फायदा होगा। आज बच्चे घर के काम में माता की मदद करेंगे। शुभ अंक – 9

सिंह राशि: काम के मामलों में आप बेहद व्यावहारिक रहेंगे। आपके मन में बहुत दिनों से कारोबार को लेकर कोई योजना चल रही है, तो आज आप उस योजना पर काम शुरू करेंगे, जिससे आपको कोई बड़ा लाभ मिलेगा। आज आपकी मीठी वाणी आपके काम को जल्दी पूरा करवाने में मदद करेगी। किसी बात को लेकर परेशान हैं तो आज आपकी टेंशन खत्म होगी। शुभ अंक – 4

कन्या राशि: आपको दूसरों से प्रेरणा लेकर काम करने की जरूरत है। आज बोलने से ज्यादा आपको काम पर ध्यान देना चाहिए। आज आपको अपने माता पिता के साथ समय बिताना चाहिए। संयम और धैर्य के साथ ही आपको अपने कदम आगे बढ़ाने चाहिए। किसी रिश्तेदार से चली आ रही अनबन आज खत्म हो जाएगी। शुभ अंक – 2

तुला राशि: अगर आप कोई बिजनेस करते हैं, तो आपको उसे बढ़ाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। आज कोई पड़ोसी आपसे किसी प्रकार की सहायता मांगेगा, जिसे आप आसानी से पूरा करेंगे। लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर लंबी बात होगी। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। शुभ अंक – 3

वृश्चिक राशि: ऑफिस के किसी सहकर्मी के साथ बिजनेस मीटिंग में शामिल होंगे। आज अपने बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा, आप अपनी पढ़ाई को लेकर पूरी तरह सतर्क रहेंगे। आज की गई मेहनत का लाभ मिलेगा। शुभ अंक – 5

धनु राशि: धनु राशि वालों आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। लोगों का भरोसा आप पर बना रहेगा। आपकी ईमानदारी से लोग प्रेरणा लेंगे। महिलाएं घर के काम से जल्द ही राहत पा लेंगी। आज आप दोस्तों के साथ समय बिताएंगे। कई दिनों से रुका हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आप अपनी बातें अपने पिता से जरूर साझा करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा। शुभ अंक – 6

मकर राशि: आज आप सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक कार्यों में सहयोग देंगे। शिक्षकों की मदद से विद्यार्थियों का कोई प्रोजेक्ट पूरा होगा। किस्मत का साथ आपको आर्थिक लाभ दिलाएगा। पहले की गई मेहनत का आज दोगुना लाभ मिलेगा। आज कामकाज ज्यादा रहेगा, जिसकी वजह से आपको खुद के लिए समय निकाल पाना मुश्किल होगा। शुभ अंक – 7

कुंभ राशि: आपके कोर्ट कचहरी के मामले थोड़े रुक सकते हैं, लेकिन समय रहते सब ठीक हो जाएगा। आज आप जो भी व्यापार शुरू करेंगे, उसमें सफलता हासिल होगी। आज आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा।

शेयर बाजार में शनि राहु और केतु की छाया?

सनत जैन

भारतीय शेयर बाजार मे निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन बहुत खराब साबित हुआ। एक ही झटके में 11.37 लाख रुपए निवेशकों के डूब गए। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर गौतम अडानी की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। सभी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार 1045 अंक गिरकर मुंबई स्टाक एक्सचेंज 71593 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टाक एक्सचेंज 371 अंक की गिरावट के साथ 22232 पर बंद हुआ। रही सही कसर डॉलर के मुकाबले रुपया ने लगभग 97 रुपए के स्तर पर पहुंचकर पूरी कर दी। पिछले दो सप्ताह से रिजर्व बैंक डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को संभालने के लिए काफी प्रयास कर रहा है। इसके बाद भी रुपया गिरने से रुक नहीं रहा है। रही सही कसर कच्चे तेल के दाम बढ़ने से डालर की मांग बढ़ती जा रही है, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपया में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कच्चे तेल और डॉलर का भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे डॉलर के रेट रुपए के मुकाबले बढ़ रहे हैं, इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को उठाना पड़ रहा है।

आखिर शेयर बाजार की यह हालत क्यों हुई, इसको लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में रेपो रेट में बदलाव किया है। रेपो रेट 0.25 आधार अंक बढ़कर 5.50 की गई है। इसको लेकर शेयर मार्केट में घबराहट देखने को मिल रही है। वैश्विक देशों के शेयर बाजारों में भी इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। जिसका असर भारतीय शेयर बाजार में दिख रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है, भारत के शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगातार निकलता चला जा रहा है, जिसके कारण डोमेस्टिक निवेशक भी घबराहट में आ गए हैं। भारत की वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी भारी दबाव देखने को मिल रहा है। इससे भारत का शेयर बाजार निकट भविष्य में सुधर पायेगा? इसको लेकर तरह-तरह की चिंता व्यक्त की जाने लगी है। रही सही कसर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दादा ने पूरी कर दी है। ट्रंप ने एक नया फरमान जारी किया है। जिसमें भारत की 8 आईटी कंपनियों को पीईआरएम प्रोग्राम से बाहर किया है। इनमें इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी सहित आठ कंपनियों के कर्मचारियों को अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोब भी शामिल है। इसका असर भारतीय कंपनियों में पडना तय है। ट्रंप के इस कदम से भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने से दिक्कत होगी, जिसका प्रभाव इन कंपनियों पर पडना तय है। पिछले 2 साल से भारतीय शेयर बाजार की हालत खस्ता है। शेयर बाजार को संभालने के लिए जितने भी प्रयास किए जा रहे हैं, अब सब उल्टे पड रहे हैं। ऐसा लगता है, ग्रह नक्षत्र ने जो दशा बदली है। इसका सबसे बड़ा असर शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है।

शेयर बाजार और भारतीय राजनीति में इन दिनों कब कौन सा परिवर्तन हो जाए, कहा नहीं जा सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर जिस तरह की चिंता अर्थशास्त्री व्यक्त कर रहे हैं, वह विचारणीय है। उनका कहना है, भारत में इतने बड़े आर्थिक संकट के दौर में अच्छे अर्थशास्त्रियों का नहीं होना, सरकार द्वारा स्वयं निर्णय लेना।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में रेनशॉ और हेजलवुड को फायदा, टी-20 में श्रेयस चौथे स्थान पर

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रेनशॉ और जोश हेजलवुड को आईसीसी की ताजा पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में फायदा हुआ है। भारत के श्रेयस अय्यर ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ चौथा स्थान हासिल कर लिया है। आईसीसी के अनुसार डरबन टेस्ट की पहली पारी में 190 रन बनाने वाले रेनशॉ ने दूसरी पारी में भी 82 रन की अहम पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया को मैच में मजबूत स्थिति हासिल करने में मदद मिली। रेनशॉ टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 से बाहर रहने के बाद संयुक्त रूप से 49वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन चार स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने भी चार स्थान की छलांग लगाई और संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने डरबन टेस्ट के अंतिम दिन 49 रन देकर छह विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के बाद वह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया तीन साल से अधिक समय बाद अपना पहला टेस्ट खेलने के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में लौट आए हैं। वह 34वें स्थान पर हैं। भारत के रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि साइमन हार्मर ने पांच स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 23वां स्थान हासिल किया है। अबू धाबी में अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला गया एकमात्र टेस्ट ड्रॉ समाप्त हुआ। इस मुकाबले के बाद अफगानिस्तान के रहमत शाह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए। बांग्लादेश के लिटन दास तीन स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 29वें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने इस मुकाबले में हैट्रिक लेने के साथ पांच विकेट हासिल किए। इसके बाद वह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गए। ताजा पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के श्रेयस अय्यर ने करियर का सर्वश्रेष्ठ चौथा स्थान हासिल किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने तीन स्थान की छलांग लगाई।

टी20 में गेल जैसी क्षमता रखते हैं अभिषेक, लंबे समय तक याद रखा जाएगा उनका नाम : चेतेश्वर पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि अभिषेक शर्मा में वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल जैसी क्षमता है और टी20 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के चौथे मुकाबले से पहले पुजारा ने जियोहॉटस्टार के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में अभिषेक की शानदार बल्लेबाजी, ईशान किशन की भूमिका और नमन धीर की गेंदबाजी पर अपनी राय रखी।

भारत ने इंदौर में तीसरा टी20 मुकाबला जीतकर श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली है। अब टीम की नजरें हैदराबाद में होने वाले चौथे मुकाबले को जीतकर श्रृंखला अपने नाम करने पर हैं। अभिषेक शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,000 रन पूरे करने पर पुजारा ने कहा, "किसी ने नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी इतने बड़े मुकाम तक पहुंच जाएंगे। लेकिन अभिषेक ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि वह अब तक भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका नाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा।" उन्होंने कहा, "जब हम टी20 प्रारूप की बात करते हैं, तो हमारे दिमाग में तुरंत वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का नाम आता है। अभिषेक में भी उसी तरह की क्षमता है। इंदौर में उन्होंने जिस तरह परिपक्वता दिखाई और थोड़ा समय लेकर बल्लेबाजी की, वह महत्वपूर्ण है। उनके लिए पांच-छह गेंदें भी काफी समय होती हैं, लेकिन इससे पता चलता है कि वह अपने खेल को बेहतर ढंग से समझ रहे हैं, विपक्षी टीम की ताकत को पहचान रहे हैं और उसी के अनुसार बल्लेबाजी कर रहे हैं।" पुजारा ने कहा कि हैदराबाद में अभिषेक के लिए घरेलू मैदान जैसा अनुभव भी फायदेमंद हो सकता है। उन्होंने कहा, "उन्होंने इस मैदान पर काफी क्रिकेट खेला है। टी20 में भी मैदान से परिचित होना और वहां खेलने का अनुभव मायने रखता है।"

चैंपियंस लीग : यामल के शानदार प्रदर्शन से बार्सिलोना की वापसी, गालतासराय को 4-1 से हराया

एजेंसी, इस्तांबुल

स्टार खिलाड़ी लामिन यामल के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बार्सिलोना ने मंगलवार को यूईएफए चैंपियंस लीग 2026-27 में गालतासराय को 4-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मंगलवार को इस्तांबुल के राम्स पार्क में खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने एक गोल से पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की। यामल ने दो गोल में सहायता की और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ बार्सिलोना अंक तालिका में आर्सेनल और स्पोर्टिंग लिस्बन के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। तीनों टीमों ने अब तक अपने दोनों मुकाबले जीते हैं। वहीं, तुर्किये का दिग्गज क्लब गालतासराय बिना अंक के तालिका में निचले स्थानों पर बना हुआ है। मुकाबले के शुरुआती दौर में बार्सिलोना ने गेंद पर नियंत्रण रखते हुए कई हमले किए, लेकिन पहला गोल गालतासराय ने किया। रूस के अलेक्सी बातराकोव के प्रयास पर जोआओ कैंसेलो से गेंद लगकर दिशा बदल गई और गोल में चली गई। इस तरह मेजबान टीम ने बढ़त बना ली। पहले हाफ के समाप्त होने से ठीक पहले कैंसेलो ने डैनी ओल्मो के पास को गोल में बदलकर बार्सिलोना को बराबरी दिला दी। दोनों टीमें मध्यांतर तक 1-1 की बराबरी पर थीं। दूसरे हाफ में यामल ने बार्सिलोना के आक्रमण को नई धार दी। उन्होंने फर्मिन लोपेज को शानदार पास देकर गोल करने में मदद की और बार्सिलोना को 2-1 की बढ़त दिला दी।

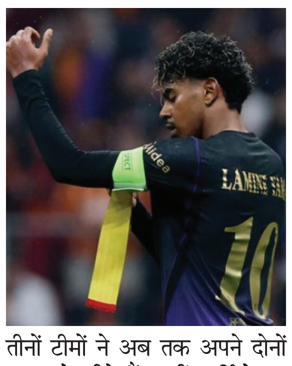

मैनचेस्टर यूनाइटेड के फुटबॉल प्रमुख पर बरसे मार्टिनेज, बोले-टीम को मजबूत बनाने के और प्रयास होने चाहिए थे

एजेंसी, मैड्रिड। मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर लिसांद्रो मार्टिनेज ने एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग में 0-2 की हार के बाद क्लब के शीर्ष प्रबंधन और खिलाड़ियों की भर्ती को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि चैंपियंस लीग में वापसी के बाद क्लब को टीम को मजबूत बनाने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए थे। मार्टिनेज ने यह बात मैच के बाद अमेजन प्राइम को दिए साक्षात्कार में कही। मार्टिनेज की इस टिप्पणी से मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। टीम सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांच मैचों से जीत हासिल नहीं कर पाई है। इंग्लिश प्रीमियर लीग में भी उसने अब तक केवल एक जीत दर्ज की है और अंक तालिका में 13वें स्थान पर है। मार्टिनेज ने अमेजन प्राइम से कहा, "मुझे खुद पर काफी नियंत्रण रखना पड़ता है। लेकिन कभी-कभी यह हमारे क्लब की मौजूदा स्थिति का आईना होता है। हमने पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था। अब हम शीर्ष स्तर के प्रबंधन से, ऊपर बैठे लोगों से, और अधिक उम्मीद करते हैं कि वे प्रतिस्पर्धा करने के लिए और खिलाड़ी लेकर आएं, क्योंकि कई अन्य टीमें भी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को ला रही हैं।

वर्ल्ड टी20 कॉन्टिनेंट कप में खेलने की खबरों पर शिखर धवन की सफाई, कहा-मेरी अनुमति के बिना नाम का इस्तेमाल किया गया

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने वर्ल्ड टी20 कॉन्टिनेंट कप में अपनी भागीदारी को लेकर सामने आई खबरों पर सफाई देते हुए कहा कि आयोजकों ने उनकी जानकारी और अनुमति के बिना उनके नाम का इस्तेमाल किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में उनकी टीम उचित कानूनी कदम उठाएगी। धवन ने मीडिया और प्रशंसकों से अनधिकृत घोषणाओं पर भरोसा नहीं करने की अपील भी की।

धवन ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा कर इस मामले पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उन्हें वर्ल्ड टी20 कॉन्टिनेंट कप में प्रतिभागी के रूप में अपना नाम इस्तेमाल किए जाने की जानकारी मिली है, जबकि उन्होंने इसके लिए कोई अनुमति नहीं दी थी। धवन ने अपने बयान में कहा, "मैंने वर्ल्ड टी20 कॉन्टिनेंट कप में प्रतिभागी के रूप में अपना नाम देखा है। आयोजकों ने मेरी जानकारी या अनुमति के बिना मेरे नाम का इस्तेमाल किया है और मेरी टीम इस मामले से निपटने के लिए उचित कानूनी कदम उठाएगी। मैं मीडिया और अपने प्रशंसकों से अनुरोध करता हूं कि वे किसी भी अनधिकृत घोषणा के आधार पर खबरें न चलाएं और न ही उन पर भरोसा करें। आपके निरंतर प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।" शिखर धवन ने भारतीय टीम का तीनों प्रारूपों में प्रतिनिधित्व किया, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट में उनका प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा। उन्होंने 167 एकदिवसीय मुकाबलों में 44.1 के औसत से 6,793 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 शतक और 39 अर्धशतक निकले।

बिजनेस

भारत-अमेरिका संबंध 'काफी अच्छे', कोई समस्या नहीं: गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत तथा अमेरिका के संबंध ''काफी अच्छे'' हैं और राजनीतिक विचारधारा में बदलाव के बावजूद इनमें और सुधार ही होगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम 2026 को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें रक्षा, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, ''बेशक, हमारे संबंध पहले से ही काफी अच्छे हैं। गोयल ने कहा कि मुझे अब भी कोई समस्या नहीं दिखती। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत तथा अमेरिका के संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और दुनिया के लिए इनके दूरगामी मायने हैं, क्योंकि दोनों बड़े लोकतंत्र हैं।'' केंद्रीय वाणिज्य मंत्री इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद छोड़ने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार होगा। उन्होंने कहा, ''यह ध्यान रखना चाहिए कि बात सिर्फ व्यापार की नहीं है। बेशक, अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और मुझे लगता है कि आने वाले वर्षों में भी वह ऐसा बना रहेगा। कुल मिलाकर, मुझे अमेरिका के साथ किसी समझौते को लेकर भी कोई समस्या नहीं दिखती।'' गोयल ने कहा, ''ये व्यापार, रक्षा साझेदारी, प्रौद्योगिकी साझेदारी, महत्वपूर्ण खनिजों की साझेदारी और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क से जुड़ा मामला भी है।'' उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बेहद करीबी संबंध बने हुए हैं। दोनों पक्ष रक्षा अभ्यासों के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति श्रृंखलाओं को खुला रखने जैसे क्षेत्रों में लगातार सहयोग कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्री की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं।

इस समझौते की रूपरेखा की घोषणा फरवरी में की गई थी, लेकिन अमेरिका में शुल्क व्यवस्था में बदलाव के कारण बातचीत आगे भी जारी है। भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार में उसके सामान पर प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम शुल्क लगे। उल्लेखनीय है कि ऊंचे शुल्क के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिका को भारत का निर्यात मामूली 0.92 फीसदी बढ़कर 87.3 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इस दौरान आयात 15.95 फीसदी बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का व्यापार अधिशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 40.89 अरब डॉलर रहा था।

नवरात्रि से दीपावली तक देश में 7 लाख करोड़ से अधिक के कारोबार का अनुमान : कैट

एजेंसी, नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बुधवार को कहा कि इस वर्ष नवरात्रि से दीपावली तक देशभर में 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक का त्योहारी कारोबार होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के रिकॉर्ड कारोबार की तुलना में लगभग 15-18 फीसदी अधिक हो सकता है। नवरात्रि तथा दुर्गा पूजा के बाद, दशहरा, करवा चौथ, धनतेरस,दिवाली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा, गुरु नानक जयंती एवं तुलसी विवाह त्यौहार बड़े रूप में देश भर में मनाये जाते हैं।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि ये प्रारंभिक अनुमान देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारिक संगठनों एवं बाजारों से प्राप्त फीडबैक, उपभोक्ता मांग, त्योहारी खरीदारी के रुझान, ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी बाजारों की सक्रियता, स्थानीय उत्पादों की बढ़ती मांग तथा विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली व्यापक आर्थिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। भाजपा सांसद ने कहा कि पिछले वर्ष दीपावली के अवसर पर देशभर में लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड व्यापार हुआ था, जिसमें लगभग 5.40 लाख करोड़ रुपये का वस्तु व्यापार तथा 65,000 करोड़ रुपये का सेवा क्षेत्र शामिल था। इस वर्ष त्योहारी गतिविधियों के और व्यापक होने को देखते हुए कारोबार के 7 लाख करोड़ से ऊपर जाने की संभावना है। कहा कि कैट के आकलन के अनुसार, नवरात्रि से दीपावली तक अनुमानित त्योहारी कारोबार में प्रमुख क्षेत्रों की हिस्सेदारी लगभग इस प्रकार रह सकती है जिसमें किराना एवं एफएमसीजी 12 फीसदी, सोना, चांदी एवं आभूषण, 10 फीसदी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स, 8 फीसदी, कंज्यूमर ड्यूरेबल वस्तुएं 7 फीसदी, रेडीमेड गारमेंट्स 7 फीसदी, गिफ्ट आइटम्स 7 फीसदी, होम डेकोर 5 फीसदी, फर्नीचर एवं फर्निशिंग 5 फीसदी, मिठाई एवं नमकीन 5 फीसदी, टेक्सटाइल एवं फैब्रिक्स 4 फीसदी, पूजा सामग्री 3 फीसदी,फल एवं ड्राई फ्रूट्स 3 फीसदी, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी 3 फीसदी, फुटवियर 2 फीसदी, अन्य वस्तुएं एवं संबंधित कारोबार 19 फीसदी हो सकता है। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इस वर्ष त्योहारी अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। नवरात्रि से दीपावली के दौरान परिवहन, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स डिलीवरी, पैकेजिंग, वेयरहाउसिंग, होटल, रेस्तरां, पर्यटन, कैटरिंग, टेंट एवं डेकोरेशन, लाइटिंग, इवेंट मैनेजमेंट, कैब एवं स्थानीय परिवहन सहित अनेक सेवाओं में भारी मांग रहने की संभावना है। पिछले वर्ष सेवा क्षेत्र में लगभग 65,000 करोड़ के कारोबार के मुकाबले इस वर्ष सेवा क्षेत्र में 20-25 फीसदी तक वृद्धि का प्रारंभिक अनुमान है। इसके आधार पर त्योहारी अवधि में सेवा क्षेत्र का कारोबार लगभग 80,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी त्योहारों के सीजन में अनेक पर्वों के दौरान देशभर में बड़ी संख्या में धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और व्यावसायिक आयोजन भी होंगे जिनमें मार्केट उत्सव, रामलीला, दुर्गा पूजा पंडाल, गरबा एवं डांडिया, दिवाली मिलन एवं मेले, प्रदर्शनी, स्थानीय बाजार कार्यक्रम, सोसायटी एवं सामुदायिक समारोह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम तथा पारिवारिक आयोजन भी बड़ी संख्या में होंगे।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी, सेंसेक्स और निफ्टी में सपाट कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का जारी है। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों और एचडीएफसी बैंक के शेयर की बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी सपाट कारोबार कर रहे हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 32.96 अंक की गिरावट के साथ 73,000.82 अंक पर रहा, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 32.65 अंक टूटकर 22,688.75 अंक पर रहा। हालांकि, बाद में दोनों प्रमुख सूचकांकों ने शुरुआती गिरावट की भरपाई कर ली। फिलहाल, बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 14.82 अंक यानी 0.020 फीसदी की बढ़त के साथ 73,048.60 अंक पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, निफ्टी 3.60 अंक यानी 0.016 फीसदी की गिरावट के साथ 22,718.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, मारुति और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक चढ़े। वहीं, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टुब्रो, पावर ग्रिड और इटर्नल के शेयर में गिरावट रही। इसके अलावा एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। वहीं, रुपया शुरुआती कारोबार में 44 पैसे मजबूत होकर 94.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है।

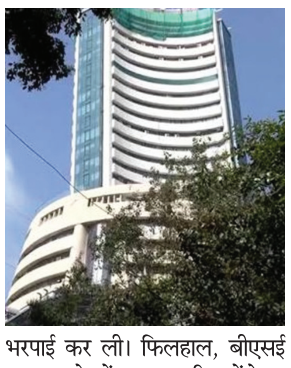

ईपीएफओ ने कंपनियों से 28 दिसंबर से पहले पीएफ ट्रस्ट एमनेस्टी के लिए आवेदन करने को कहा

एजेंसी, नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मंगलवार को एक बार फिर कंपनियों से 28 दिसंबर की तय समय-सीमा से पहले पीएफ ट्रस्ट एमनेस्टी के लिए आवेदन करने को कहा है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना 2026 के तहत भविष्य निधि ट्रस्टों के लिए माफी के प्रावधान पेश किए गए हैं। ये उन ट्रस्टों को एक बार का अवसर देगा जिनके पास औपचारिक छूट आदेश नहीं है। ईपीएफओ इसके लिए जागरूकता अभियान चला रहा है। मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफ योजना, 2026 में माफी योजना से संबंधित प्रावधान को एक संक्रमणकालीन उपाय के रूप में शामिल किया गया था, जिसको 29 जून, 2026 को अधिसूचित किया गया था। इन प्रावधानों के अंतर्गत ऐसे भविष्य निधि (पीएफ) ट्रस्टों को अपनी छूट प्राप्त स्थिति नियमित कराने का एकमुश्त अवसर दिया गया है, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है लेकिन उनके पास कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 की धारा 17 अथवा सामाजिक सुरक्षा संहिता (सीओएसएस), 2020 की धारा 143 के तहत जारी औपचारिक छूट आदेश नहीं है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि माफी योजना के संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों, जिनमें आवेदन की प्रक्रिया और प्रक्रियागत आवश्यकताएं शामिल हैं, का विवरण 11 जुलाई, 2026 को जारी परिपत्र में दिया गया था।

थोक महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर रिकॉर्ड 11.39 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को झटका लगने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर के बाद खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं और ईंधन एवं बिजली की कीमतें में तेज उछाल से सितंबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39 फीसदी पर पहुंच गई है, जो अगस्त में 9.92 फीसदी थी। यह पांच महीने का रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर के जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी है। आंकड़ों अनुसार खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 8.66 फीसदी हो गई। विनिर्मित वस्तुओं में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर भी बढ़कर 9.76 फीसदी के श्रृंखला के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अगस्त में यह 8.37 फीसदी थी। ईंधन एवं बिजली की महंगाई दर सितंबर में 25.85 फीसदी रही, जबकि पिछले महीने अगस्त में यह 22.93 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने डब्ल्यूपीआई के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस, कोयले एवं लिग्नाइट, बुनियादी धातुओं, रसायनों एवं रासायनिक उत्पादों, वस्त्रों, रबर एवं प्लास्टिक उत्पादों तथा बिजली के उपकरणों की कीमतों में बढ़ोतरी से सितंबर में थोक महंगाई की दर में वृद्धि दर्ज की गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले हफ्ते ही नीतिगत दर रेपो रेटे में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया था। वहीं, इस सप्ताह की शुरुआत में जारी खुदरा महंगाई दर भी खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण सितंबर में बढ़कर 23 महीने के उच्च स्तर 5.54 फीसदी पर पहुंच गई।

रीति तिवारी ने कराई पिता मनोज की दूसरी शादी

म मनोज तिवारी की लाडली बेटी रीति तिवारी बिग बॉस हाउस से बाहर आने के बाद अपनी निजी जिंदगी को लेकर खुलकर बात कर रही हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि उन्होंने ही अपने पिता को दूसरी शादी करने के लिए प्रेरित किया था। रीति का कहना है कि जब वह 16 साल की थीं, तभी उन्हें यह एहसास हो गया था कि उनके पिता को कोई मिल गई है, लेकिन वे इस बारे में उनसे बात नहीं कर पा रहे थे। रीति ने कहा, जब मैं 16-17 साल की थी, तब मुझे फील हो गया था कि इनको कोई मिल गई है, लेकिन ये मुझे बोल नहीं पा रहे हैं। समझ आ जाता है, बच्चे बेवकूफ नहीं होते यार। उन्हें लगा कि उनके पिता खुद कभी शादी पर बात नहीं कर पाएंगे, इसलिए यह पहल उन्हें ही करनी होगी। रीति ने बताया, तो मैंने उनको फोन करके बोला, हैलो डैड, आप शादी कर लीजिए। बेटी की इस बात ने मनोज तिवारी को हौसला दिया। उन्होंने रीति से कहा, ठीक है बेटा, अगर तुमने बोला तो डन। बेटी की प्रेरणा से मनोज तिवारी ने दोबारा शादी करने का फैसला किया। यहां यह बताना जरूरी है कि मनोज तिवारी ने 1999 में रानी तिवारी से शादी की थी। इस रिश्ते से उनकी बेटी रीति का जन्म हुआ। हालांकि, यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चला और 11 साल बाद, 2012 में उनका तलाक फाइनल हो गया। रानी से अलग होने के कई साल बाद, मनोज तिवारी ने अप्रैल 2020 में सुरभि तिवारी से दोबारा शादी की। मनोज और सुरभि अब दो प्यारी बेटियों के माता-पिता हैं।

हंसल मेहता की सीरीज से धमाकेदार वापसी करेंगी बिपाशा बसु, ये सितारे भी होंगे साथ

हं हंसल मेहता अपनी नई वेब सीरीज के जरिए अभिनेत्री बिपाशा बसु को पर्दे पर वापस लेकर आ रहे हैं। यह अमेजन प्राइम वीडियो की ओरिजनल सीरीज होगी, जिसका शीर्षक तय होना बाकी है। कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने मिलकर कहानी लिखी है। इसका निर्माण प्रभलीन संधू ने ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। सीरीज में बिपाशा के अलावा, सनी कौशल और विशाल जेठवा भी मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस सीरीज का ऐलान किया है। उन्होंने कलाकारों और क्रू के साथ की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, बहुत खुशी और कृतज्ञता से भरे दिल के साथ, हम यह साझा करते हुए खुश हैं कि हमने एक और खूबसूरत सिनेमाई सफर की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी कहानी वाकई खास है और हमारे दिलों के बेहद करीब है। उन्होंने बताया कि कहानी का नाम अभी तय नहीं हुआ। यह सीरीज व्यक्तिगत ईमानदारी और संस्थागत दबाव के बीच संघर्ष पर आधारित एक कहानी होने का संकेत देती है। इसमें सनी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते दिखेंगे, जो अपराध, भ्रष्टाचार और चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी अपने सिद्धांतों को बनाए रखने के संघर्ष करता है। बिपाशा और विशाल के किरदारों को लेकर फिलहाल कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। फिलहाल, सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। आने वाले दिनों में अन्य अपडेट आने की उम्मीद है।

माया लेडी का टीज़र जारी, प्यार, जलन और रहस्य के बीच उलझेगी कहानी

यु युवा अभिनेता और निर्माता राकेश वारे की आगामी तेलुगु फिल्म 'माया लेडी का टीज़र जारी कर दिया गया है। प्रसंकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रोमांस, हास्य और रहस्य का मेल देखने को मिलेगा। अभिनेत्री मधुमिता सरकार इसमें मुख्य भूमिका निभा रही हैं। क्रेजी एंट्स प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म अक्टूबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टीज़र में कृष नाम के एक युवक की कहानी की झलक दिखाई गई है, जिसकी प्यार और शादी को लेकर अपनी स्पष्ट सोच है। अपनी पसंद की जीवनसाथी की तलाश में उसकी मुलाकात आशा से होती है। आशा स्वतंत्र विचारों वाली और बेबाक व्यक्तित्व की महिला है। उसका जीवन जीने का अलग अंदाज कृष के परिवार को भले ही चिंतित करता हो, लेकिन कृष धीरे-धीरे उसकी ओर आकर्षित हो जाता है और उससे प्यार करने लगता है। कहानी में नया मोड़ तब आता है, जब आशा को कृष के अतीत में रूपा के साथ रहे उसके रिश्ते के बारे में पता चलता है। इसके बाद दोनों के बीच तनाव और कई उलझनें पैदा होने लगती हैं। कृष के सामने प्यार, जलन और अपने पुराने रिश्तों से जुड़ी परिस्थितियों को संभालने की चुनौती खड़ी हो जाती है। टीज़र में फिल्म के मुख्य रहस्य को उजागर नहीं किया गया है। इससे दर्शकों के बीच कहानी और किरदारों के रिश्तों को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। निर्माताओं ने रोमांटिक प्रसंगों के साथ हास्य और रहस्य को भी कहानी का हिस्सा बनाया है। 'माया लेडी की झलक के साथ इसका शीर्षक गीत और 'सरिगामले गुंडे अंचुल्लो गीत भी पहले से चर्चा में हैं। फिल्म में राकेश वारे और मधुमिता सरकार के अलावा सत्य, इंद्रजा और मैसूर सुरेश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत विशाल चंद्रशेखर ने तैयार किया है।

शाहरुख की किंग में एक्शन का जलवा

बॉ बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान एक बार फिर एक्शन अवतार में वापसी के लिए तैयार हैं, अपनी आगामी फिल्म किंग के साथ। यह फिल्म साल के अंत की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित रिलीज में से एक है, जिसे लेकर उनके प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह है। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जो अपनी ब्लॉकबस्टर एक्शन फिल्मों जैसे पठान और वॉर के लिए जाने जाते हैं। सिद्धार्थ आनंद और शाहरुख खान की यह जोड़ी एक बार फिर एक्शन-थ्रिलर शैली में नया मुकाम हासिल करने का वादा करती है। शाहरुख की भूमिका को लेकर अभी तक गोपनीयता बरती जा रही है, लेकिन उम्मीद है कि वह इस फिल्म में पहले से कहीं अधिक दमदार और तीव्र एक्शन दृश्यों में दिखाई देंगे, जैसा कि उन्होंने हाल ही में अपनी कुछ फिल्मों में साबित किया है। किंग को एक बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक्शन सीक्वेंस, हैरतअंगेज स्टंट और विजुअल इफेक्ट्स का शानदार इस्तेमाल देखने को मिलेगा। फिल्म के बड़े स्तर पर तैयार किए जा रहे दृश्यों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

शूर्पणखा बनीं रकुल प्रीत सिंह

अ भिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपनी खूबसूरती, ग्रेस और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं, जिन्होंने खुद को अलग-अलग इंडस्ट्रीज़ में एक कमर्शियल एंटरटेनर से लेकर रोमांटिक कॉमेडी और कंटेंट-बेस्ड फिल्मों में आसानी से ढाला है। अब जब वे अपना जन्मदिन मना रही हैं, सभी की निगाहें उनकी आने वाली फिल्म में निभाए जाने वाले बेहद आकर्षक किरदार पर टिकी हुई हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायणम् में रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा के किरदार में नजर आएंगी। भारत के सबसे जाने माने महाकाव्यों में से एक की दुनिया में कदम रखते हुए, रकुल ने एक ऐसे किरदार को निभाने के लिए चुना है, जो कहानी में बेहद खास जगह रखता है। रकुल प्रीत सिंह अपनी खूबसूरती से लेकर ग्रेस और कैरिस्मेटिक पर्सनेलिटी के जबरदस्त कॉम्बिनेशन से शूर्पणखा के अपने किरदार में कई दिलचस्प खूबियों का मेल लेकर आती हैं। उनका यह किरदार उन्हें प्रेजेंस, पर्सनेलिटी और इंटेंसिटी का जबरदस्त मेल पेश करने का मौका देता है।

पहला प्यार दूसरी बार का गाना रिलीज

फि फिल्म पहला प्यार दूसरी बार के मेकर्स ने हाल ही में अपने नए गाने जाने किस मोड़ पे को रिलीज कर दिया है, जिसे दर्शकों का जबरदस्त रिएक्शन मिल रहा है। यह गाना बेसब्री, पुरानी यादों और युवा प्यार के एहसास को खूबसूरती से समेटे हुए है। गाने को दर्शन रावल ने अपनी आवाज से सजाया है, जबकि गुरप्रीत सैनी ने इसके बोल लिखे हैं। यह गाना फिल्म में तीन दोस्तों के सफर को दिखाता है जो अपने स्कूल रीयूनियन में जाते हुए अपने पहले क्रश से फिर से मिलने की उम्मीद करते हैं। यह उनके सफर में अचानक आने वाले बदलाव को दर्शाता है और यह भी कि वे नहीं जानते कि आने वाला अगला मोड़ उनके लिए क्या लेकर आ रहा है। गाना खुद में हल्के-फुल्के और यूथफुल साउंड के साथ आता है। यह फिल्म में मौजूद दोस्ती ही नहीं, बल्कि उसके साथ रोमांस और जिंदगी में फिर दूसरी बार मौका मिलने जैसी थीम को खूबसूरती से पेश करता है। यह उस एक्साइटमेंट और इंतजार को बखूबी दिखाता है, जब पहला प्यार को दूसरी बार मौका मिलता है।

कैटरीना कैफ ने तोड़ी चुप्पी

अ भिनेत्री कैटरीना कैफ हाल ही में अपने बदले हुए वजन और बॉडी लुक की वजह से सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रही थीं। दरअसल, पिछले महीने जब वह पति विक्की कौशल के साथ अंबानी परिवार के गणेशोत्सव में शामिल हुई थीं, तब कुछ यूजर्स ने उनकी तस्वीरों पर कमेंट करते हुए बॉडी शेम करना शुरू कर दिया था। अब इस पूरे वाकये के बीच कैटरीना कैफ ने बिना किसी का नाम लिए अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि इंसान को दूसरों के विचारों या टिप्पणियों के आधार पर अपनी कीमत तय नहीं करनी चाहिए, बल्कि खुद पर भरोसा रखना चाहिए। भले ही उन्होंने सीधे तौर पर ट्रोलिंग का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके इस बयान को हालिया विवाद और बॉडी शेमिंग के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। 8 अक्टूबर को कैटरीना कैफ लंदन पहुंची थीं, जहां उन्होंने अपने ब्यूटी ब्रांड के ब्यूटी के यूके में एक साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस दौरान उन्होंने ब्यूटी इन्फ्लुएंसर के साथ बातचीत की और सोशल मीडिया पर लोगों की राय के प्रभाव के बारे में अपने विचार साझा किए।

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण 40 भाषाओं में रिलीज होगी

दुनियाभर में धमाल मचाने को तैयार

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म रामायण पार्ट 1 की चर्चा इन दिनों हर किसी की जबान पर है। फिल्म निर्माताओं ने 11 अक्टूबर को घोषणा की कि ये फिल्म 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वैसे तो ये फिल्म हिंदी में शूट की गई है, लेकिन इसे 40 भाषाओं में डब किया गया है। इनमें न केवल भारत के अलग-अलग स्थानों की भाषाएं शामिल हैं, बल्कि विदेशी भाषाएं भी शुमार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्माता नमित मल्होत्रा और रामायण की टीम इसे भारतीय फिल्मों के इतिहास की सबसे बड़ी रिलीज बनाना चाहते हैं। एक सूत्र ने बताया, दुनियाभर के दर्शकों तक फिल्म को आसानी से पहुंचाने के लिए रामायण को 40 भाषाओं में डब किया गया है। इससे दुनियाभर के दर्शक बिना सबटाइटल्स पर निर्भर रहे, अपनी भाषा में फिल्म का अनुभव ले सकेंगे। पहली बार किसी भारतीय फिल्म को इतने बड़े पैमाने पर डब किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, रामायण को जिन भाषाओं में डब किया गया है, उनकी पूरी लिस्ट कुछ हफ्तों में जारी की जाएगी। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग 20 अक्टूबर, 2026 यानी दशहरा से शुरू होने वाली है। ऐसे में टीम अपनी एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है कि ये साल की सबसे बड़ी फिल्म बन सके। ये फिल्म 2 पार्ट में रिलीज की जाएगी, जिसका दूसरा पार्ट 2027 में आ सकता है।

अभिनेता अनिल कपूर ने चोर बाजार से खरीदी थी मिस्टर इंडिया की जैकेट

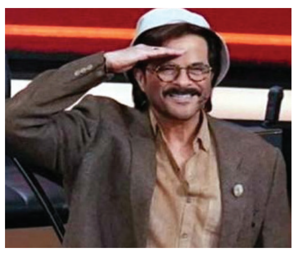

दृ दाबहार अभिनेता अनिल कपूर आजकल इंडिया के टॉप 1 प्रतिशत शो में बतौर होस्ट नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने इस शो के दौरान फिल्म मिस्टर इंडिया वाले दिनों को फिर से ताजा कर दिया, जब वह शो में उसी फिल्म वाली मशहूर जैकेट पहनकर आए थे। फिल्म को लेकर दिलचस्प खुलासा करते हुए अनिल कपूर ने बताया कि ये आइकॉनिक जैकेट उन्होंने मुंबई के चोर बाजार से खरीदी थी। अपने आइकॉनिक लुक और इस जैकेट के पीछे की कहानी याद करते हुए अनिल ने कहा, आज भी मुझे ये शर्ट, पैंट और जैकेट फिट आते हैं। 39 साल बाद भी सब कुछ फिट आ रहा है। उन्होंने आगे बताया कि जब उनकी टीम ने इच्छा जताई कि काश मिस्टर इंडिया वाली कॉस्ट्यूम मिल जाती, तो उन्होंने कहा, मैंने तो उसे संभालकर रखा हुआ है। यह दर्शाता है कि अनिल कपूर ने अपनी यादों और खास चीजों को कितना सहेज कर रखा है। अपनी उस जैकेट के पीछे की कहानी बताते हुए अनिल कपूर ने कहा, जैकेट मैंने चोर बाजार से खरीदी थी। इत्तेफाक से मैंने बाल भी लंबे कर रखे हैं, जैसे मिस्टर इंडिया में थे। तो आज बाल भी लुक पर सूट कर रहे हैं। यह एक ऐसा संयोग था जिसने शो में मौजूद सभी को हैरान कर दिया और दर्शकों के लिए भी यह एक मजेदार जानकारी थी। इस एपिसोड के पीछे की सोच के बारे में बताते हुए उन्होंने फिल्म मिस्टर इंडिया के गहरे संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हम जो एपिसोड कर रहे हैं, वो सामाजिक तौर पर बहुत अहम है। यही इसका मूल विषय था और राज कपूर साहब ने फिल्म देखने के बाद यही कहा था। अनिल कपूर ने आगे कहा कि फिल्म मिस्टर इंडिया से क्या सीख मिलती है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया, सीख यही है कि हर कोई मिस्टर इंडिया बन सकता है। ये एपिसोड उन लोगों के बारे में है जो देश की सेवा करते हैं। वे बिना कुछ उम्मीद किए देश के लिए काम करते हैं। वे इसे अपना नैतिक कर्तव्य समझकर करते हैं। वे ही भारत को आज जो है वो बनाते हैं। अनिल कपूर के इन शब्दों ने फिल्म के सुपरहीरो कॉन्सेप्ट को एक सामाजिक संदेश से जोड़ा, जिसमें आम नागरिक भी अपने कार्यों से देश के लिए मिस्टर इंडिया बन सकते हैं। मिस्टर इंडिया शेखर कपूर द्वारा निर्देशित एक साइंस फिक्शन सुपरहीरो फिल्म है, जो 1987 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अनिल कपूर, श्रीदेवी और अमरीश पुरी मुख्य भूमिकाओं में थे।

आंखों को आराम देने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

आ आज के समय में स्क्रीन से दूरी बनाना लगभग असंभव हो गया है। चाहे आप ऑफिस में हों या घर पर, कंप्यूटर, मोबाइल और टीवी का उपयोग करना पड़ता है। इससे आंखों पर काफी दबाव पड़ता है। आंखें थकी हुई महसूस हो सकती हैं और उनमें जलन भी हो सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे सरल और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी थकी हुई आंखों को आराम दे सकते हैं। आंखों की हल्की मालिश करना एक आसान और असरदार तरीका है, जिससे आप अपनी थकी हुई आंखों को आराम दे सकते हैं। इसके लिए अपनी उंगलियों को गोल-गोल घुमाते हुए अपनी आंखों के चारों ओर मालिश करें। इससे खून का बहाव बढ़ता है और आंखों की थकान कम होती है। आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा बादाम का तेल या गुलाब जल भी मिला सकते हैं, जिससे और भी आराम मिलेगा। यह तरीका आपको तरोताजा महसूस कराएगा। ठंडे पानी से आंखों को धोना एक बहुत ही सरल और असरदार तरीका है, जिससे आप अपनी थकी हुई आंखों को आराम दे सकते हैं। ठंडा पानी न केवल आंखों की जलन को कम करता है, बल्कि इसे तरोताजा भी महसूस कराता है। इसके लिए बस थोड़ा सा ठंडा पानी लें और आंखों को हल्के हाथों से धोएं। इससे आंखों की थकान दूर होती है और आपको तुरंत राहत मिलती है। यह तरीका आंखों को आराम देने में मददगार है। खीरे का उपयोग करके भी आप अपनी थकी हुई आंखों को आराम दे सकते हैं। इसके लिए खीरे के ठंडे टुकड़े लें और अपनी बंद आंखों पर रखें, फिर 10-15 मिनट तक लेटें। खीरे में मौजूद ठंडक और पोषक तत्व आंखों की सूजन और जलन को कम करते हैं, जिससे आपको तुरंत राहत मिलती है। यह तरीका आपकी आंखों को तरोताजा महसूस कराएगा और आपको ताजगी का एहसास दिलाएगा। अगर आप लंबे समय तक स्क्रीन के सामने काम करते हैं तो बीच-बीच में आराम करना बहुत जरूरी है। हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड का ब्रेक लें और दूर किसी चीज को 20 फीट की दूरी पर देखें। इससे आपकी आंखें आराम करेंगी और उनकी थकान कम होगी। इसके अलावा आप अपनी आंखों को बंद करके कुछ सेकंड के लिए आराम भी दे सकते हैं। यह तरीका आपकी आंखों की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आंखों की एक्सरसाइज करने से भी आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिल सकता है। इसके लिए अपनी दोनों हथेलियों को आपस में रगड़कर गर्म करें, फिर हल्के हाथों से अपनी आंखों पर रखें। अब धीरे-धीरे गहरी सांस लेते हुए आंखों को खोलें और बंद करें। यह प्रक्रिया कुछ मिनट तक दोहराएं। इससे आंखों की मांसपेशियां ढीली होती हैं और थकान दूर होती है।

Tata Power Advances 2.8 GW Data Centre Pipeline to Support India's AI Growth

DB Reporter

Jamshedpur : Tata Power is strengthening its position in India's rapidly expanding data centre sector, with an opportunity pipeline exceeding 2.8 GW across renewable energy, transmission and distribution, and integrated infrastructure solutions.

The company is engaging in 29 active workstreams involving 18 leading domestic and international data centre operators as demand for artificial intelligence (AI), cloud computing and digital services continues to rise.

Tata Power's pipeline includes approximately 430 MW of upcoming load under its distribution network, 1,236 MW of transmission-linked opportunities and 1,150 MW of green energy capacity under active engagement.

Leveraging its presence across generation, transmission and distribution, the company aims to offer data centre developers a comprehensive range of solutions, including powered land, grid connectivity, renewable energy, energy storage, cooling systems and utility infrastructure. These offerings are designed to support hyperscale facilities and next-generation AI-ready digital infrastructure.In the Mumbai Metropolitan Region (MMR), Tata Power is upgrading its 110 kV and 220 kV transmission networks to meet the growing electricity requirements of large data centres. The company is expanding transformation and transmission capacities while developing network redundancy to ensure reliable and uninterrupted power supply.It is also developing new receiving stations and advancing a 400 kV transmission ring network to create a resilient grid capable of supporting future digital infrastructure. These initiatives form part of Tata Power's ?15,000 crore Mumbai Grid Upgradation and Expansion Plan.

India's expanding role in global AI and digital infrastructure is expected to drive substantial electricity demand. According to estimates from the Central Electricity Authority cited by the Ministry of Power, AI-led data centres could add around 26.3 GW of power demand by FY2031-32.

The International Energy Agency has also highlighted the growing contribution of emerging economies, including India, to data centre expansion and electricity consumption.

With its integrated energy capabilities and expanding infrastructure investments, Tata Power is positioning itself to address the evolving power requirements of India's digital economy and support the development of large-scale data centres.

India reaffirms Ladakh status as China says it doesn't recognise the UT

New Delhi, Agency: Diplomatic tensions flared again between India and China after Beijing strongly opposed India's decision to officially map and standardise 28 places in Ladakh, including some in Aksai China, and reaffirmed that it does not recognise the Union Territory (UT) of Ladakh.In a swift rebuttal, New Delhi reiterated no amount of Chinese denial can change the established fact that the Ladakh UT is an integral and inalienable part of India.

According to the ministry of home affairs (MHA), which announced the standardisation in a press release on October 2, identifying the places/ geographical features formally on the Survey of India map was aimed at facilitating their accurate recognition and better awareness among the public at large. MEA spokesperson Randhir Jaiswal reiterated the same, saying the MHA statement was self-explanatory.

"The announcement mentions that the twenty-eight (28) places/features located in the UT of Ladakh have been identified with standard place and feature names on the official map of Survey of India, and it has been done in consultation with the Union Territory of Ladakh and local stakeholders," he said.

The Chinese foreign ministry described the Indian move as illegal saying it doesn't change the fact that the western sector of the China-India boundary belongs to China. "China has never recognized the so-called Union Territory of Ladakh unilaterally and illegally established by India, and firmly opposes the so-called standardized names publicised by India," said spokesperson Mao Ning. However, China itself has renamed places in Arunachal Pradesh on at least half a dozen occasions in the past 10 years, including twice in 2026, to reinforce its claim over the Indian state.

The fresh cartographic tussle comes in the middle of the ongoing normalisation of the bilateral relationship after a military standoff in eastern Ladakh.

'EC should regain credibility': Ashok Lavasa says poll panel must regain public trust amid SIR controversy

New Delhi, Agency: Former election commissioner Ashok Lavasa on Tuesday said the Election Commission of India (ECI) was facing an unprecedented level of controversy and urged the poll body to regain public trust amid protests over alleged irregularities in the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls. Drawing a parallel with cricket, Lavasa said the credibility of an election depended on people believing that the poll panel was impartial.

"If people feel that the umpire is not neutral, they will question the winning team's victory as well," he said while addressing a citizens' convention in Kolkata virtually, according to news agency Media.

Lavasa's remarks came as opposition parties intensified their protests against alleged "vote chori", demanding the resignation of chief election commissioner (CEC) Gyanesh Kumar over the SIR exercise.

Opposition leaders have taken to the streets in recent days and clashed with police in New Delhi.

"The EC should regain its credibility and people's trust. The Election Commission of India, whose position is very high and possibly the highest among all public institutions, is today mired in controversies and people are taking to the streets to protest," Lavasa said.

Questions over dissent within Election Commission: The former election commissioner referred to an Indian Express report that election commissioners Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi had objected on record at least 14 times over the past 10 months to decisions and orders they said had been issued without their knowledge.

The objections reportedly came even as the nationwide SIR exercise was being overseen by the full commission.

Lavasa questioned the lack of publicly available meeting minutes, saying it was difficult to establish whether decisions had been taken unanimously or by a majority.

"This casts a doubt in the minds of the people whether the decisions of the Election Commission, including on the SIR, were unanimous or taken by majority," he said. He also said the Election Commission had not provided an authentic clarification on the reported differences between its members. "Some press statements have been issued, but those create more questions and generate more doubts than they answer," Lavasa said.

The poll panel has maintained that differing views and observations are a normal part of deliberations in any institution. It has also said that all its orders carry full legal sanction and follow established statutory procedures.

The EC added that all three commissioners, as well as its officers, were authorised to offer suggestions to improve the electoral system.

Sunak meets Modi, hails his leadership as UK-India ties go 'from strength to strength'

New Delhi, Agency: Former UK prime minister Rishi Sunak met Prime Minister Narendra Modi in New Delhi on Tuesday and congratulated him on completing 25 years in public service. Praising PM Modi's commitment and work ethic, Sunak said the UK-India relationship was going from "strength to strength" under his leadership.

In a post on X, Sunak recalled working with PM Modi during his tenure as prime minister and highlighted the importance of closer cooperation between the two countries in trade, technology and artificial intelligence (AI).

"Prime Minister Narendra Modi great to see you in New Delhi today. Congratulations on 25 years in public service, a remarkable achievement. It was a pleasure to work with you when I was Prime Minister," Sunak wrote.

Praising Modi's approach to public service, he added, "Your commitment, your work ethic, your energy is an example to us all."

On bilateral ties, Sunak said, "The UK India relationship is going from strength to strength under your leadership. Our two countries cooperating more on trade, tech and AI is vital in a less predictable world."

He also expressed confidence in the future of the partnership, writing, "I know that Britain and India will continue to grow ever closer in the years ahead."

Earlier on Tuesday, Sunak spoke about the changing global order and the growing ability of countries such as India and those in the Gulf to pursue independent foreign policy positions amid increasing geopolitical uncertainty.

Speaking at a panel discussion titled "The End of Predictability" at the Bloomberg New Economy Forum 2026 in New Delhi, Sunak said the world was moving away from the multilateral, rules-based framework that had shaped the global economy.

- RishiSunak (@RishiSunak)

"We all grew up investing in, operating in a multilateral rules-based framework, largely enforced by US President Trump is not a cause for that; he's a symptom of that, and the world that we're in now is one where we don't quite know what we've settled down to, and that creates an enormous amount of geopolitical uncertainty and indeed danger," he said. Sunak also described China's emergence as a strategic competitor to the United States as a significant shift. "So, China is a peer competitor for the US across economic, military, and technological domains. That is a new feature of the world economy," he said.

Meanwhile, India and the UK have agreed to exchange annual data on the utilisation of tariff concessions under their Comprehensive Economic and Trade Agreement (CETA). The decision was taken at the 16th meeting of the India-UK Joint Economic and Trade Committee (JETCO) in New Delhi on Monday.

Commerce and industry minister Piyush Goyal and UK business secretary Jonathan Reynolds reviewed progress since the agreement came into force on July 15, 2026. The annual data exchange is intended to support smoother implementation and help more businesses, particularly small and medium-sized enterprises, benefit from the pact.

Sensex jumps 1100 after finance minister's remarks spark LTCG cut hopes

Mumbai, Agency: Finance minister Nirmala Sitharaman Tuesday said the govt was open and keen to "hear" discussions around the long-term capital gains (LTCG) tax as it was "healthy" to have the debate.

The minister, however, declined to be specific on the matter as preparations for the Union Budget in Feb are already underway.

The FM's comments raised investors' hopes of a reduction in LTCG tax and securities transaction tax (STT), a longstanding demand among foreign funds who have been big sellers in the Indian market in the last two years. As a result, after a steady start, stock prices jumped with the sensex finally settling 1.5% or 1,109 points up at 73,034 points while Nifty closed 1.6% or 359 points up at 22,722 points.

RBI steps to check rupee volatility: FM: While responding to an observation that investors, especially foreign funds, were keen on removal of capital gains tax and streamlining of taxation before they started investing in India, Sitharaman said, "Two years ago, we had bought all the asset classes similarly and people thought that I was increasing the tax.

Omar, Mehbooba, Mirwaiz oppose bid to enforce uniform Friday sermons

Srinagar, Agency: The J&K Waqf Board's move to introduce uniform Friday sermons across Jammu & Kashmir has drawn fierce criticism in the region from key political figures, including CM Omar Abdullah.

"This is an unacceptable attempt by BJP to interfere in the religious affairs of Muslims and will not be accepted under any circumstances. The BJP-appointed chairperson must immediately halt this misplaced attempt to please her masters," Omar said. Waqf Board chairperson Dr Darakhshan Andrabi belongs to BJP. PDP president Mehbooba Mufti called for the transfer of Waqf administration in J&K to the elected government. "This is the BJP's agenda to harass Muslims. They want to interfere in our religious affairs. Just like the Uniform Civil Code, they also want to impose uniformity in this matter. These are our mosques, built with our people's money. Our imams and maulvis know what to say and when," she said.

On Saturday, Andrabi chaired a meeting of muftis, imams and other religious scholars proposing a committee to identify and finalise topics for Friday sermons in advance and communicate them to mosque imams associated with Waqf-managed institutions across J&K and other mosques. The meeting, according to Andrabi, was attended by around 1,500 imams and Islamic scholars.

Andrabi said the Waqf Board has not issued any order or directive on the issue. She said religious scholars and imams proposed uniform Friday sermons to address social evils like drug abuse, suicide and late marriages. "All imams and preachers had assembled and there was no role of the Waqf board officials in it," she said.

Rejecting criticism from political figures, Andrabi said Muslim scholars associated with the Waqf Board were qualified to take such decisions and urged politicians to stay out of the matter. "If politicians are of the view that imams should not talk about drug abuse and other evils, then fine," she said. Hurriyat Conference chairman Mirwaiz Umar Farooq, who also heads Muttahida Majlis-e-Ulema (MMU), the largest representative organization of Islamic scholars, imams, and socio-religious bodies in J&K, said MMU strongly rejects any attempt by the Waqf Board to prescribe uniform Friday sermons. "The religious guidance is the domain of ulema and imams, not state-linked bodies.

US secretary of state Rubio to travel to India next week energy, strategic partnership and investment in focus

New Delhi, Agency: US secretary of state Marco Rubio will visit Mumbai and Jamnagar from October 17 to 22 as part of a trip to India and Uzbekistan, with talks in India set to focus on strengthening bilateral strategic ties and expanding energy cooperation.

According to a media note issued by the US department of state, Rubio will travel to Samarkand in Uzbekistan before arriving in India for his second official visit to the country this year. During his India visit, Rubio is set to meet senior government officials to strengthen the US-India strategic partnership, exchange views on regional and global developments, and discuss prospects for enhanced energy cooperation. He will also meet business leaders to explore opportunities for commercial investment and economic cooperation between the two countries.

Before travelling to India, Rubio will participate in the C5+1 Ministerial in Uzbekistan, where he is expected to highlight strategic cooperation between Washington and the five Central Asian countries: Uzbekistan, Kazakhstan, Tajikistan, Turkmenistan and the Kyrgyz Republic.

Rubio will also hold bilateral meetings with senior officials from the participating countries. The Uzbekistan leg of his trip will include a US commercial delegation comprising more than 200 business leaders, aimed at strengthening commercial ties between the United States and Central Asia.